Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 195 | शुक्रवार, 24 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नीट विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा बयान, 'दोषियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर मचे सियासी और सामाजिक घमासान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। गुरुवार को एक बड़ा और कड़ा संदेश देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कदम उठाने जा रही है। उन्होंने घोषणा की कि पेपर लीक के मामलों में शामिल लोगों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने और सुनवाई में तेजी लाने के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट (Fast-Track Courts) का गठन किया जाएगा।

'युवाओं के भविष्य से बड़ा कुछ नहीं': फास्ट-ट्रैक कोर्ट का बड़ा फैसला

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागों को इस दिशा में बिना किसी देरी के आवश्यक और कड़े कदम उठाने के स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'हमारे युवाओं के कल्याण और भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है! हमने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। यह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे हमारे कदमों की कड़ी का हिस्सा है। जो लोग हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।'

विपक्ष का चौतरफा हमला और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

प्रधानमंत्री का यह अहम बयान ऐसे समय में आया है जब देश में नीट परीक्षा धांधली को लेकर राजनीतिक पारा अपने चरम पर है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) सहित विभिन्न विपक्षी दल सड़कों से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। विपक्षी पार्टियां लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ी हुई हैं और इस पूरे मामले में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा समयबद्ध जांच की मांग कर रही हैं। देश भर में हो रहे छात्र आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों ने सरकार पर दबाव काफी बढ़ा दिया था, जिसके बाद खुद प्रधानमंत्री को सामने आकर मोर्चा संभालना पड़ा।

'10 साल में 150 से ज्यादा पेपर लीक': राहुल गांधी का कड़ा प्रहार

इससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक के आंकड़ों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला था। राहुल गांधी ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया था कि देश में पिछले 10 वर्षों के दौरान 150 से भी अधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। राहुल गांधी ने तंज कसते हुए कहा था कि इतनी बड़ी संख्या में पेपर लीक की घटनाएं सामने आने के बावजूद आज तक किसी भी मुख्य दोषी या मास्टरमाइंड को सख्त सजा नहीं मिल सकी है। विपक्ष के इन लगातार हमलों और जनता के आक्रोश के बीच पीएम मोदी द्वारा फास्ट-ट्रैक कोर्ट के गठन का ऐलान बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संसद भवन में राजग और इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन, छात्रों के मुद्दे पर एक-दूसरे पर लगाया राजनीति करने का आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। छात्रों के मुद्दे पर संसद के भीतर जारी गतिरोध के बीच सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में मकर द्वार पर एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की और प्रदर्शन करते हुए छात्रों के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। एनडीए सांसदों ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए कांग्रेस पर बहस से बचने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, इंडिया गठबंधन के सांसदों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर छात्रों की समस्याओं की अनदेखी करने तथा विरोध कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग कराने का आरोप लगाया। विपक्ष के प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले तथा विपक्षी दलों के कई अन्य सांसद शामिल हुए। सांसदों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग वाला बैनर भी प्रदर्शित किया। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार नीट प्रश्नपत्र लीक मामले पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को बहस में भाग लेना चाहिए। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस संसद के भीतर चर्चा से बच रही है, जबकि सरकार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

'हम नड्डा के दफ्तर नहीं जाएंगे, वो जंतर-मंतर आएं', बातचीत के लिए सीजेपी ने रखी शर्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी और केंद्र सरकार के बीच बातचीत को लेकर गतिरोध बना हुआ है। एक तरफ जहां सरकार गतिरोध समाप्त करने के लिए बातचीत की मेज पर आने की अपील कर रही है, वहीं दूसरी तरफ उखढ ने अपनी शर्त रख दी है। इसके साथ ही सीजेपी ने शुक्रवार को देशव्यापी प्रदर्शन की अपील की है। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका ने साफ किया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आवास या मंत्रालय में कोई बैठक नहीं होगी। आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरकार के प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा कि नड्डा के घर पर कोई बैठक नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत करनी है तो यह जंतर-मंतर या किसी बीच की जगह पर हो सकती है। आशुतोष रांका ने अपने पोस्ट में लिखा, 'कोई मीटिंग नड्डा जी के घर पर नहीं होगी। या तो जंतर-मंतर या किसी बीच की जगह पर होगी। इस बार केवल औपचारिक बातचीत या हवाबाजी नहीं होनी चाहिए। अगर सरकार उखढ के प्रतिनिधियों से मिलना चाहती है तो उनकी मांगों पर ठोस बातचीत करनी होगी। सरकार को या तो उनकी कुछ मांगें माननी होंगी या फिर यह स्पष्ट करना होगा कि उनकी मांगों को कितने दिनों में पूरा किया जाएगा। बातचीत के नाम पर उनका समय बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए।' इसके अलावा सीजेपी के ही नेता सौरव दास ने कहा कि सरकार को अपना अहंकार छोड़कर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के पास जाना चाहिए। उन्हें जंतर-मंतर या किसी निष्पक्ष जगह पर आकर बातचीत करनी चाहिए। इस तरह का अहंकार देश और दिल्ली व पूरे देश में प्रदर्शन कर रहे लाखों लोगों के बीच अच्छा संदेश नहीं देता है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने CJP के साथ बातचीत को लेकर सरकार की ओर से भेजे गए प्रस्तावों की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने रवाना हो गया।

'छात्र सड़क पर हैं तो हम भी उनके साथ': राहुल गांधी की बस यात्रा से गरमाई सियासत, गांधी स्मृति पहुंचा विपक्ष

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सियासी तापमान और बढ़ गया है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद एकजुट होकर गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी अपने सरकारी आवास से विपक्षी नेताओं के साथ एक बस में सवार होकर निकले। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई(एम) समेत कई विपक्षी दलों के सांसद उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, यात्रा शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और बस को आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ मिनट तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने रास्ता खोल दिया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं का काफिला गांधी स्मृति के लिए रवाना हो गया।

'छात्र सड़क पर हैं, इसलिए हम भी सड़क पर हैं'

रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में विपक्ष का कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा, 'हम पहले इंडिया गेट जाना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हमने गांधी स्मृति जाने का फैसला किया, वहां भी हमें कुछ देर रोका गया। हमारा सबसे बड़ा संदेश देश के छात्रों के लिए है कि हम आपके साथ हैं और आपकी आवाज संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे।'

गांधी स्मृति मार्च से पहले राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में नीट पेपर लीक, संसद में सरकार को घेरने की रणनीति और छात्रों के समर्थन में संयुक्त कार्यक्रम पर चर्चा हुई। इसके बाद सभी नेताओं ने एक साथ बस से गांधी स्मृति जाने का फैसला किया। बैठक की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ भी आवास के बाहर जुटने लगी। आरजेडी सांसद संजय यादव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक हुए, लेकिन आज तक किसी बड़े आरोपी को सजा नहीं मिली। उनके मुताबिक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। वहीं, सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि विपक्ष गांधी स्मृति इसलिए जा रहा है क्योंकि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा छात्रों के साथ एकजुटता और लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक है।

क्यों निकाली गई यह बस यात्रा?

विपक्षी दलों का कहना है कि यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों के समर्थन का संदेश है जो नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों से प्रभावित हुए हैं। गांधी स्मृति पहुंचकर नेताओं ने छात्रों के संघर्ष के प्रति एकजुटता जताने, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग उठाने और छात्र आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले युवाओं को श्रद्धांजलि देने का संदेश दिया। साथ ही पुलिस कार्रवाई में घायल छात्रों और आंदोलनरत युवाओं के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सात लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास के बाहर जोरदार धरना प्रदर्शन किया, जबकि दूसरी ओर जंतर-मंतर पर इसी मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन भी जारी रहा।

फिर प्रदर्शन किया तो ड्रग केस में फंसा देंगे: स्टूडेंट प्रोटेस्टर को पुलिसकर्मी ने धमकाया, हो गया बड़ा एक्शन

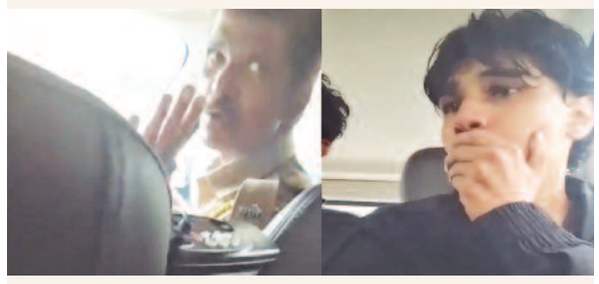

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक वायरल वीडियो की जांच के आदेश दिए हैं। इस वीडियो में पुलिस का एक ड्राइवर, प्रदर्शन कर रहे छात्रों को धमकी दे रहा है कि अगर वे दोबारा विरोध-प्रदर्शन करने आए, तो उन पर ड्रग्स का झूठा केस लगा दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बुधवार को हिरासत में लिए जाने के बाद पुलिस वैन में बैठे छात्रों ने बनाया था। वीडियो में पुलिसकर्मी छात्रों को आगे विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा न लेने की चेतावनी देते हुए सुनाई दे रहा है। वह कहता है कि अगर वे ऐसा करते हैं, तो वह 'ड्रग्स के झूठे केस' में फंसाकर उनकी 'ज़िंदगी बर्बाद' कर देगा। वह आगे कहता है कि उन्हें जमानत नहीं मिल पाएगी और उन्हें 'जेल में सड़ना' पड़ेगा। इस बात पर गाड़ी की पिछली सीट पर बैठे छात्र हंसते हुए दिखाई देते हैं। पुलिस वाले को यह कहते हुए सुना गया, अगर मैंने तुम्हें दोबारा प्रोटेस्ट में देखा, तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। मैं तुम्हारी जेब में 50 ग्राम पाउडर (ड्रग्स) डाल दूंगा। फिर तुम्हारी ज़िंदगी बर्बाद हो जाएगी। इससे पक्का हो जाएगा कि तुम्हें जमानत न मिले। धमकी के साथ-साथ एक ईमानदार बात भी कही गई। क्लिप में उसे यह कहते हुए सुना गया, तुम्हारी वजह से हमें परेशानी हो रही है। मुंबई में सैकड़ों छात्र प्रदर्शनकारी 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में सड़कों पर उतरे। यह पार्टी कई बार पेपर लीक होने के कारण शिक्षा में सुधार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है।

सिक्किम टनल हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 25 हुई, सभी शव बाहर निकाले गए

मीथेन गैस रिसाव से हुई दुर्घटना के बाद कई एजेंसियों ने चलाया संयुक्त रेस्क्यू अभियान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गंगटोक। एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निमार्णाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान गुरुवार देर रात तक लगातार जारी रहा। बचाव दलों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच अभियान को जारी रखा।

रात लगभग 10 बजे पश्चिम बंगाल के आसनसोल से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की दूसरी विशेष बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंची और तुरंत अभियान में शामिल हुई। विभिन्न एजेंसियों की टीम समन्वय के साथ मध्यरात्रि तक लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं। ताजा जानकारी के अनुसार, सुरंग से अब तक 25 मृतकों के शव बरामद किए जा चुके हैं और सुरंग से सभी शवों को बाहर निकाल लिया गया है। नामची जिला प्रशासन तथा संबंधित सभी एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। साथ ही, बचाव कार्य में जुटी टीमों और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। बता दें कि हादसा सोमवार दोपहर को टनल के अंदरमिथेन गैस रिसाव होने के कारण हुई थी।

सोमवार से बचाव और आउद्धार कार्य लगातार चल रही है। एनएनपीसी के आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार टनल के अंदर 25 लोग फंसे हुए थे।

हिंसा से समाधान नहीं: अन्ना हजारे ने पुलिस लाठीचार्ज को बताया गलत, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने गुरुवार को कहा कि हिंसा से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने NEET पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की छात्रों की मांग का समर्थन किया। उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस लाठीचार्ज को गलत बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विरोध करने वाले छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनसे बातचीत करने का आग्रह करने के एक दिन बाद, हजारे ने अहिंसा की अपनी बात फिर दोहराई। हजारे ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा था कि किसी भी मुद्दे को अहिंसा के जरिए सुलझाया जा सकता है। हिंसा से कोई समस्या हल नहीं होगी; हिंसा से मामले और बिगड़ेंगे। अहिंसा। मैंने अहिंसा का पालन करते हुए 22 बार आमरण अनशन किया है। मैंने 22 अनशन पूरे किए, लेकिन कभी हिंसा का सहारा नहीं लिया। NEET परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का समर्थन करते हुए हजारे ने कहा कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांग के अनुसार, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा दे देना चाहिए। छात्र -. यानी युवा शक्ति -. देश की ताकत हैं। देश की इस ताकत का सही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अगर आप गलत रास्ते पर चलेंगे, तो नतीजे भी गलत ही होंगे। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। चुने हुए प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर जोर देते हुए हजारे ने कहा कि जैसा कि मैंने कहा है, जनता ही मालिक है और मंत्री जनसेवक होते हैं। जब भी कोई काम करना हो, अगर जनता को लगे कि वह काम होना चाहिए और बड़ी संख्या में लोग उसकी मांग करें, तो वह काम किया जाना चाहिए। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर CJP के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर, हजारे ने दिल्ली पुलिस द्वारा बल प्रयोग की आलोचना की।

संपादक की कलम से

स्व-देखभाल: स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरूआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है। स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है- अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना। आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है। भारत ने हजारों वर्ष पहले ही यह उद्घोष किया था-'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों का प्रथम साधन है। भारतीय चिंतन ने स्वास्थ्य को केवल शरीर की निरोगता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन को भी स्वास्थ्य का अनिवार्य आधार माना। आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्राणायाम, उपवास, संयम, अहिंसा और सात्विक जीवनशैली इसी समग्र दृष्टि के अंग हैं। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म कभी अलग-अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं।

ललित शर्मा
संपादक

असीम लालच, अंधी सत्ता और मानवीय दुष्कृत्य: वैश्विक संकट की असली जड़

एन0के0शर्मा
लेखक

मानव सभ्यता आज विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के उस शिखर पर खड़ी दिखाई देती है, जिसकी कल्पना कुछ शताब्दियों पहले तक असंभव थी। मनुष्य ने अंतरिक्ष की गहराइयों को छू लिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जन्म दे दिया, जीन-संपादन की संभावनाओं के द्वार खोल दिए, समुद्र की अतल गहराइयों का अध्ययन कर लिया और दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक सूचनाओं को कुछ क्षणों में पहुंचाने की क्षमता हासिल कर ली। लेकिन इसी चमकदार उपलब्धि के पीछे एक भयावह विडंबना भी खड़ी है-मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश में स्वयं पर से नियंत्रण खो दिया है।

आज विश्व के सामने जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, भुखमरी, बेरोजगारी, महामारी, मानसिक तनाव, सामाजिक विघटन, राजनीतिक ध्रुवीकरण, पर्यावरणीय विनाश और नैतिक पतन जैसी असंख्य चुनौतियां हैं। इन संकटों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में देखा जाता है, उनके लिए अलग-अलग कारण गिनाए जाते हैं और उनके समाधान के लिए अलग-अलग नीतियां बनाई जाती हैं। लेकिन यदि इन सभी संकटों की जड़ों तक उतरकर देखा जाए तो एक कठोर और असुविधाजनक सत्य सामने आता है- इनमें से अधिकांश संकटों के पीछे मनुष्य का असीमित लालच, सत्ता का अनियंत्रित अहंकार और मानवीय विवेक का योजनाबद्ध क्षरण छिपा हुआ है। समस्या केवल यह नहीं है कि मनुष्य अधिक चाहता है। समस्या यह है कि वह आवश्यकता और लालच के बीच का अंतर भूल चुका है। वह विकास और विनाश के बीच की सीमा मिटा चुका है। वह सत्ता को सेवा नहीं, स्वामित्व समझने लगा है। वह पृथ्वी को घर नहीं, संसाधनों का गोदाम समझता है। वह मनुष्य को नागरिक नहीं, उपभोक्ता, मतदाता, श्रमशक्ति, डेटा और बाजार में बदल देता है। यही वह मानसिकता है, जो आज सभ्यता के सबसे बड़े संकट की आधारभूमि तैयार कर रही है। मनुष्य की आवश्यकताएं सीमित हैं, लेकिन लालच की कोई सीमा नहीं होती। भोजन, आवास, सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान मनुष्य की मूल आवश्यकताएं हैं। लेकिन जब संपत्ति केवल जीवन जीने का साधन न रहकर शक्ति, प्रतिष्ठा और दूसरों पर नियंत्रण का माध्यम बन जाती है, तब वह लालच का रूप धारण कर लेती है। आज विश्व की आर्थिक व्यवस्था में संपत्ति का अभूतपूर्व संचय हुआ है, लेकिन उसी के साथ संपदा का असमान वितरण भी इतिहास के सबसे चिंताजनक स्तरों में पहुंच गया है। एक ओर अरबों मनुष्य अपनी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ व्यक्तियों और संस्थाओं के पास इतनी संपत्ति है कि वे छोटे-छोटे देशों की अर्थव्यवस्थाओं से अधिक आर्थिक शक्ति रखते हैं। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं है; यह राजनीतिक असमानता, सामाजिक असमानता और अवसरों की असमानता में भी बदल जाती है। धन जब सत्ता को प्रभावित करने लगता है, सत्ता जब नीतियों को प्रभावित करने लगती है और नीतियां जब आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करती हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रह सकता है, लेकिन उसकी आत्मा धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह नहीं कि चुनावों में अनियमितता होती है। उससे भी बड़ा संकट यह है कि अनेक बार जनता को ऐसी सूचनाएं, ऐसी धारणाएं और ऐसे विकल्प दिए जाते हैं, जिनमें वास्तविक निर्णय की स्वतंत्रता सीमित होती जाती है। नागरिक मतदान करता है, लेकिन नीति निर्माण पर उसका प्रभाव अक्सर उस पूंजी, उस लॉबिंग और उस संगठित शक्ति के सामने नगण्य हो जाता है, जो पर्दे के पीछे सत्ता की दिशा तय करती है। जब शासन जनता के लिए नहीं, बल्कि शक्तिशाली समूहों के हितों के लिए काम करने लगे; जब कानून गरीब के लिए कठोर और शक्तिशाली के लिए लचीला हो जाए; जब प्राकृतिक संसाधन सार्वजनिक संपदा न रहकर निजी लाभ का माध्यम बन जाएं; जब भ्रष्टाचार अपराध न होकर व्यवस्था का अनौपचारिक शुल्क बन जाए-तब संकट किसी एक सरकार या एक दल का नहीं रहता। तब पूरी व्यवस्था अपनी नैतिक वैधता खोने लगती है। सत्ता का स्वभाव है कि वह स्वयं को स्थायी बनाना चाहती है। सत्ता जब नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तब वह नागरिकों को अधिकारों से अधिक आज्ञाकारिता सिखाने लगती है। प्रश्न पूछने वाले को विद्रोही, असहमति रखने वाले को राष्ट्रविरोधी, भ्रष्टाचार उजागर करने वाले को समस्या और सत्ता की आलोचना करने वाले को शत्रु घोषित करने की प्रवृत्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए अत्यंत घातक है। सत्ता का वास्तविक परीक्षण यह नहीं है कि उसके समर्थक कितने हैं। सत्ता का वास्तविक परीक्षण यह है कि उसके आलोचक कितने सुरक्षित हैं। जिस व्यवस्था में नागरिक केवल प्रशंसा कर सकता हो, प्रश्न नहीं; शिकायत कर सकता हो, समाधान नहीं पा सकता; मतदान कर सकता हो, लेकिन नीति निर्माण में उसकी आवाज न सुनी जाए- वह लोकतंत्र का जीवंत रूप नहीं, उसका औपचारिक आवरण मात्र है। आज दुनिया में सत्ता के अनेक रूप हैं। राजनीतिक सत्ता, आर्थिक सत्ता, सैन्य सत्ता, तकनीकी सत्ता और सूचना-सत्ता। इन सभी शक्तियों का केंद्रीकरण यदि जवाबदेही से मुक्त हो जाए तो मनुष्य की स्वतंत्रता धीरे-धीरे सीमित होने लगती है। तकनीक ने मानव जीवन को सरल बनाया है, लेकिन तकनीक का उपयोग किसके हाथों में है, यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है। नागरिकों का डेटा आज आधुनिक युग की सबसे मूल्यवान संपत्ति बन चुका है। मनुष्य क्या देखता है, क्या पढ़ता है, किससे बात करता है, कहां जाता है, क्या खरीदता है और किस विषय पर उसकी रुचि है-इन सबका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। यदि तकनीक मानव स्वतंत्रता को मजबूत करने के बजाय मनुष्य के व्यवहार को नियंत्रित करने का साधन बन जाए, तो सभ्यता का सबसे बड़ा खतरा किसी बाहरी शत्रु से नहीं, बल्कि स्वयं निर्मित प्रणालियों से उत्पन्न हो सकता है। यहां प्रश्न तकनीक का नहीं, तकनीक के पीछे छिपी नीयत का है। एक ऐसी दुनिया की कल्पना कीजिए जहां नागरिक को लगता है कि वह स्वतंत्र निर्णय ले रहा है, लेकिन उसके सामने प्रस्तुत सूचनाएं, विज्ञापन, विचार और प्राथमिकताएं किसी अदृश्य एल्गोरिदम द्वारा नियंत्रित की जा रही हों। वह समझता है कि वह चुन रहा है, जबकि संभव है कि उसे चुनने के लिए पहले से तैयार विकल्पों में से ही चयन करने दिया जा रहा हो। यह आधुनिक दासता का अत्यंत परिष्कृत रूप हो सकता है-जहां बेड़ियां दिखाई नहीं देतीं, लेकिन व्यवहार नियंत्रित होता है। दुनिया के वर्तमान संकट का एक और भयावह पक्ष यह है कि मनुष्य ने प्रकृति के साथ अपने संबंध को लगभग पूरी तरह आर्थिक गणना में बदल दिया है। जंगल को लकड़ी, नदी को जलस्रोत, पर्वत को खनिज, समुद्र को व्यापारिक मार्ग और भूमि को रियल एस्टेट में बदल दिया गया है। पृथ्वी की हर वस्तु का बाजार मूल्य तय किया जा रहा है, लेकिन उसके अस्तित्वगत मूल्य को भुलाया जा रहा है। वृक्ष केवल लकड़ी नहीं है। नदी केवल पानी नहीं है। मिट्टी केवल भूमि नहीं है। हवा केवल ऑक्सीजन नहीं है। ये जीवन के आधार हैं। लेकिन जब लालच विवेक पर हावी हो जाता है, तब जंगल काटने वाला व्यक्ति केवल लकड़ी की कीमत देखता है; नदी प्रदूषित करने वाला उद्योग केवल उत्पादन लागत देखता है; भूमि को अंधाधुंध खोदने वाला तंत्र केवल खनिजों का मूल्य देखता है; और सरकार केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर देखती है। इस गणना में एक चीज गायब होती है- भविष्य। हम आज विकास के नाम पर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गिरवी रख रहे हैं। हम उन बच्चों से संसाधन छीन रहे हैं जो अभी जन्मे भी नहीं हैं। हम उनके हिस्से की स्वच्छ हवा, पीने योग्य पानी, उपजाऊ मिट्टी और सुरक्षित जलवायु को वर्तमान की असीमित उपभोग-लालसा में खर्च कर रहे हैं। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं है। यह नैतिक अपराध है। किसी भी सभ्यता का मूल्य इस बात से नहीं आंका जाना चाहिए कि उसने कितनी ऊंची इमारतें बनाईं। उसका मूल्य इस बात से आंका जाना चाहिए कि उसने अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी पृथ्वी छोड़ी। आज युद्धों की संख्या, हथियारों की क्षमता और सैन्य बजट मानव बुद्धि पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं। मनुष्य ने ऐसी विनाशकारी शक्ति विकसित कर ली है, जो कुछ क्षणों में शहरों, सभ्यताओं और करोड़ों जीवन को समाप्त कर सकती है। लेकिन इसके बावजूद विश्व राजनीति में अविश्वास, वर्चस्व और शक्ति-संतुलन की वही मानसिकता कायम है, जिसने इतिहास में अनगिनत युद्धों को जन्म दिया।

सत्ता अपने विस्तार को सुरक्षा कहती है। हथियारों की दौड़ को शांति की तैयारी कहा जाता है। भू-राजनीतिक वर्चस्व को राष्ट्रीय हित कहा जाता है। और आम नागरिकों की मृत्यु को रणनीतिक क्षति।

युद्धों में मरने वाले अक्सर वे लोग नहीं होते जो युद्ध का निर्णय लेते हैं। सत्ता के गलियारों में बैठे लोग मानचित्रों पर सीमाएं खींचते हैं, लेकिन उन सीमाओं पर मरते हैं गरीब सैनिक। नेता भाषण देते हैं, लेकिन घर उजड़ते हैं आम नागरिकों के। हथियार उद्योग लाभ कमाता है, लेकिन माताएं अपने बच्चों को खोती हैं। यह मानव सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि विज्ञान ने जीवन बचाने की क्षमता जितनी बढ़ाई है, मनुष्य ने जीवन नष्ट करने की क्षमता भी उतनी ही बढ़ा ली है।

मुद्दों से आगे या मुद्दों से दूर? छात्र आंदोलन पर एक विमर्श

डॉ विजय गर्ग
लेखक

छात्र आंदोलन किसी भी लोकतांत्रिक समाज की जीवंतता का महत्वपूर्ण संकेत माने जाते हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब समाज में बड़े परिवर्तन हुए, उनमें युवाओं और छात्रों की सक्रिय भूमिका रही। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर शिक्षा सुधार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और लोकतांत्रिक अधिकारों तक, छात्रों ने समय-समय पर अपनी आवाज बुलंद की है। लेकिन आज एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या वर्तमान छात्र आंदोलन वास्तव में मूल मुद्दों पर केंद्रित हैं, या वे धीरे-धीरे अपने उद्देश्य से भटकते जा रहे हैं?

छात्र आंदोलनों का मूल उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता, समान अवसर, फीस, छात्रवृत्ति, रोजगार, शोध सुविधाओं, सुरक्षित परिसर और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। जब आंदोलन इन वास्तविक समस्याओं पर केंद्रित होते हैं, तो वे न केवल छात्रों का हित करते हैं बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं। हाल के वर्षों में कई छात्र आंदोलनों ने महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि युवा वर्ग समाज के प्रति जागरूक है और अपने अधिकारों के प्रति सजग भी। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात रखने का अधिकार नागरिकों की मूल स्वतंत्रताओं का हिस्सा है। इसलिए छात्र आंदोलनों को केवल विरोध के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद के माध्यम के रूप में भी देखा जाना चाहिए। हालाँकि, यह भी सच है कि कई बार आंदोलनों का स्वरूप बदल जाता है। कुछ मामलों में मूल शैक्षिक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक टकराव या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ चर्चा के केंद्र में आ जाती हैं। जब ऐसा होता है, तो छात्रों की वास्तविक समस्याएँ दब जाती हैं और आंदोलन का उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। सोशल मीडिया ने भी छात्र आंदोलनों की प्रकृति को काफी प्रभावित किया है। आज किसी भी घटना पर कुछ ही मिनटों में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। इससे जागरूकता बढ़ी है, लेकिन कई बार अधूरी या भ्रामक जानकारी भी तेजी से फैल जाती है। भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ तथ्यात्मक चर्चा पर भारी पड़ सकती हैं। इसलिए छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी भी आंदोलन में शामिल होने से पहले तथ्यों की जाँच करें और विभिन्न पक्षों को समझें। एक और चिंता यह है कि लंबे समय तक चलने वाले आंदोलन छात्रों की पढ़ाई, शोध और करियर को प्रभावित कर सकते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व का विकास करना भी है। यदि आंदोलन और शिक्षा के बीच संतुलन नहीं बनाया जाता, तो इसका नुकसान अंततः छात्रों को ही उठाना पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं कि छात्रों को अपनी आवाज नहीं उठानी चाहिए। बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन रचनात्मक, शांतिपूर्ण, तथ्य-आधारित और समाधान-केंद्रित हों। विरोध के साथ-साथ संवाद, सुझाव और सहयोग की भावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जब छात्र केवल समस्या नहीं, बल्कि उसके व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत करते हैं, तब उनकी भूमिका अधिक प्रभावशाली बन जाती है। शैक्षणिक संस्थानों की भी जिम्मेदारी है कि वे छात्रों की समस्याओं को समय पर सुनें और उनके समाधान के लिए पारदर्शी व्यवस्था विकसित करें। यदि संवाद के रास्ते खुले रहें, तो अधिकांश विवाद आंदोलन का रूप लेने से पहले ही सुलझाए जा सकते हैं। इसी प्रकार सरकारों और विश्वविद्यालय प्रशासन को भी छात्रों की उचित मांगों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी रहना चाहिए। भारत जैसे युवा देश में छात्र केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के सक्रिय भागीदार भी हैं। उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए छात्र आंदोलनों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन होना चाहिए। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि छात्र आंदोलन होने चाहिए या नहीं। प्रश्न यह है कि वे किस दिशा में आगे बढ़ें। यदि आंदोलन शिक्षा, समानता, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल मुद्दों पर केंद्रित रहेंगे, तो वे लोकतंत्र को मजबूत करेंगे और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। लेकिन यदि वे मूल उद्देश्य से भटककर केवल शोर, ध्रुवीकरण या तात्कालिक विवादों तक सीमित रह जाएँ, तो उनका प्रभाव भी सीमित हो जाएगा। इसलिए समय की माँग है कि छात्र आंदोलन विवेक, संवाद, जिम्मेदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें। यही रास्ता छात्रों के उज्ज्वल भविष्य, मजबूत शिक्षा व्यवस्था और स्वस्थ लोकतंत्र की नींव को और सुदृढ़ बना सकता है।

तेरा भाणा मीठा लागे

किशन भावनानीं

कविता

तेरा भाणा मीठा लागे, हर पल तेरा नाम,
सुख हो चाहे दु:ख की बेला, तू ही मेरा धाम।
तेरी रजा में शांति मिलती, मिटता मन का भार,
तेरे चरणों में ही बसता, जीवन का संसार।

तेरी इच्छा ही विधि मेरी, तेरा ही विश्वास,
तेरे बिन सब शून्य लगता, तू जीवन की आस।
आंधी आए या तूफाँ उठे, डिगे न मेरा मन,
तेरी कृपा से खिल उठता, हर सूना उपवन।

तेरे भाणे जो भी पाया, माना तेरा दान,
हानि-लाभ सब तुझको अर्पण, तुझमें मेरी शान।
अहंकार का दीप बुझाकर, प्रेम-दीप जल जाए,
तेरी रहमत की वर्षा से, अंतर्मन मुस्काए।

सेवा, सिमरन, सत्य की राह, तेरा ही उपहार,
करुणा, क्षमा, दया से महके, जीवन का व्यवहार।
हर प्राणी में तेरा चेहरा, हर श्वास में तेरा राग,
तेरे भाणे जीना सीखूँ, यही रहे अनुराग।

तेरा भाणा मीठा लागे, यही अमर अरदास,
किशन तेरे नाम से जग उजियारा, मिटे हृदय की प्यास।
जब तक साँसें साथ निभाएँ, गाऊँ तेरी शान,
तेरी रजा में ही समर्पित, मेरा तन-मन-प्राण।

हुकुमचंद नारद - जब एक जीवन, पत्रकारिता का संविधान बन गया

प्रो. आरके जैन
लेखक

किसी राष्ट्र का इतिहास केवल राजसत्ताओं, आंदोलनों और युद्धों से नहीं बनता; उसे दिशा वे व्यक्तित्व देते हैं, जो अपने समय के नैतिक विवेक बनकर खड़े होते हैं। हुकुमचंद नारद ऐसे ही विरल व्यक्तित्व थे, जिन्होंने कलम को शब्दों का माध्यम नहीं, जनविश्वास का दायित्व माना। 14 जनवरी 1902 को मप्र के सतना (तत्कालीन रीवा रियासत) में मूलचंद जी और मथुराबाई के घर जन्मे इस कर्मयोगी ने जीवनसंगिनी माणिक बाई के साथ संघर्ष, सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता से भरा जीवन जिया। 26 नवंबर 1953 को जबलपुर में उनका सांसारिक जीवन अवश्य थम गया, किंतु उनके विचारों का प्रकाश आज भी उतना ही प्रखर है।

समय ने उनके व्यक्तित्व को और विराट बनाया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने जुलाई 2026 से एम.जे.एम.सी. पाठ्यक्रम के 'मीडिया का इतिहास' विषय में उनके जीवन और कृतित्व को शामिल किया है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में उनके नाम पर पत्रकारिता पीठ की स्थापना की घोषणा भी सिद्ध करती है कि इतिहास उन्हीं व्यक्तित्वों के विचारों को संस्थागत स्वरूप देता है, जिन्होंने सत्ता से पहले समाज, सुविधा से पहले सत्य, भय से पहले कर्तव्य और जनपक्षधरता को सर्वोच्च धर्म माना। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, उस पत्रकारिता-दर्शन का है, जो सिखाता है कि पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति शब्द नहीं, चरित्र होता है। हुकुमचंद नारद ने पत्रकारिता को केवल समाचार नहीं, समाज की आवाज बनाया। जबलपुर के लोकमत, शुभचिंतक और सारथी से शुरू उनकी यात्रा लीडर, भारत, अमृत बाजार पत्रिका, हिंदुस्तान स्टैंडर्ड, दैनिक विश्वामित्र, हितवाद, नागपुर टाइम्स, हिंदुस्तान टाइम्स और इंडियन न्यूज क्रॉनिकल तक पहुँची। पटना, लखनऊ और बंबई तक उनकी लेखनी जनमत को दिशा देती रही। एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया (वर्तमान पीटीआई) के प्रतिनिधि, हिंदी पंच के संस्थापक और सारथी-शुभचिंतक के नगर प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने पत्रकारिता को जनचेतना बनाया। उनके शब्दों में आक्रोश था, पर कटुता नहीं; संवेदना थी, पर दुर्बलता नहीं; निर्भीकता थी, पर अहंकार नहीं। वे जानते थे-कलम बिकती है तो समाज मौन होता है, सत्य लिखती है तो इतिहास बदलता है। सत्य के पक्ष में खड़े होने का उदाहरण 1935 का जबलपुर समीप करोड़ी कांड है।

अंग्रेज सैनिकों द्वारा महिलाओं पर हुए अत्याचारों को सत्ता दबाना चाहती थी, किंतु हुकुमचंद नारद ने उन्हें राष्ट्र के सामने उजागर किया। धमकियों और दबाव के बावजूद वे अडिग रहे। उनके प्रस्तुत तथ्य और प्रमाण ब्रिटिश संसद तक पहुँचे, जिससे दोषी सैनिकों को दंड मिला। उनके साहस की राष्ट्रवादी पत्रकारिता और जनमानस ने सराहना की। यह केवल खोजी पत्रकारिता नहीं, भारतीय आत्मसम्मान की विजय थी। गरीब, पीड़ित और उपेक्षित उनके लिए राष्ट्र की आत्मा थे; उनकी कलम उसी आत्मा की आवाज थी। राष्ट्रीय जीवन का कोई निर्णायक मोड़ ऐसा नहीं था, जहाँ हुकुमचंद नारद की उपस्थिति न रही हो। 1939 के त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन में प्रचार समिति के संयोजक के रूप में उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के स्वागत हेतु 52 हाथियों की व्यवस्था की। स्थानीय इतिहास उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन का प्रखर स्वर मानता है। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भूमिका के कारण उन्हें मुंबई से गिरफ्तार कर 6 अक्टूबर 1942 से 28 अप्रैल 1943 तक जबलपुर कारागार में रखा गया।

कारावास उनके शरीर को बाँध सका, विचारों को नहीं; वे प्रखर, स्पष्ट व जनसमर्पित होकर निकले। उनके लिए स्वतंत्रता केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं, निर्भीक विचार, अभिव्यक्ति की स्वाधीनता और नागरिक सम्मान का संकल्प थी। जिस कलम ने समाज के अधिकारों की आवाज उठाई, वही पत्रकारों के अधिकारों के लिए भी खड़ी हुई। हुकुमचंद नारद ने पत्रकारिता को केवल विचार नहीं, श्रम और अधिकारों का दायित्व माना। उस समय पत्रकार अल्प वेतन, असुरक्षित रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के अभाव से जूझ रहे थे। नारद ने पत्रकार को श्रमजीवी मानते हुए वेतन, सुरक्षा और अधिकारों की आवाज उठाई। 1950 में वे अखिल भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संगठन के प्रमुख प्रेरक और महाकौशल इकाई के प्रथम अध्यक्ष बने। उनके प्रयासों ने श्रमजीवी दर्जा, यूनियनों, वेतन बोर्डों और पत्रकार अधिकारों की नींव रखी। इसी योगदान ने उन्हें 'श्रमजीवी पत्रकार आंदोलन का जनक' का सम्मान दिलाया।

हुकुमचंद नारद ने पत्रकारिता को पेशा नहीं, जनसेवा का आजीवन व्रत बनाया। अंतिम समय तक वे पीड़ितों, रोगियों और असहायों के साथ रहे। शायद ही कोई दिन बीता हो, जब वे किसी दुखी से मिलने अस्पताल न पहुँचे हों। उनके निधन के तीन वर्ष बाद, 1956 में जबलपुर के नागरिकों ने जनसहयोग से शासकीय विक्टोरिया अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर से संलग्न विश्राम कक्ष उनकी स्मृति में बनवाया, जिसे देश में किसी श्रमजीवी पत्रकार की स्मृति का पहला स्मारक माना जाता है। गुजरात के पूर्व राज्यपाल एवं नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत श्रीमन्नारायण अग्रवाल ने इसका उद्घाटन कर उसे राष्ट्रीय प्रतिष्ठा दी।

हुकुमचंद नारद का जनसम्मान स्मारकों और संस्थाओं में साकार हुआ। जबलपुर नगर निगम ने 'हुकुमचंद नारद मार्ग' का नामकरण किया। सिविक सेंटर स्थित उनकी कांस्य प्रतिमा का 3 मई 1999 को तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने अनावरण किया। यह केवल प्रतिमा नहीं, सत्य और जनसेवा को समर्पित जनपक्षधर पत्रकारिता का सम्मान थी। इसी अवसर पर 'स्मृतियों के रक्त पलाश' स्मारिका प्रकाशित हुई।

भोपाल स्थित भारत के एकमात्र समाचार-पत्र संग्रहालय-माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय-में उनकी स्मृति में शोध कक्ष स्थापित है। प्रतिवर्ष 'हुकुमचंद नारद पत्रकारिता पुरस्कार' प्रदान किया जाता है, जो सत्यनिष्ठ, निर्भीक और जनपक्षधर पत्रकारिता की प्रेरणा है। जब भी पत्रकारिता मूल्यों की कसौटी पर परखी जाएगी, हुकुमचंद नारद का जीवन मानदंड होगा। उन्होंने सिद्ध किया कि पत्रकार का दायित्व सत्ता का नहीं, समाज का प्रहरी बनना है। निर्भीकता, नैतिकता और जनपक्षधरता का उनका आदर्श ही उन्हें कालजयी बनाता है। वे आज भी उस पत्रकार के पथप्रदर्शक हैं, जो सत्य को सुविधा से, जनहित को स्वार्थ से और राष्ट्रधर्म को हर दबाव से ऊपर रखता है। हुकुमचंद नारद केवल इतिहास का अध्याय नहीं, हिंदी पत्रकारिता की अमर चेतना हैं, जो हर युग से कहती रहेगी-'सत्य लिखो, निर्भय लिखो और जनता के साथ खड़े रहो।'

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

रस्वती मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सीएमई आयोजित, एआरटी व बांझपन प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने साझा किया ज्ञान

जीनोविया-आईएसएआर राष्ट्रीय पीजी शिक्षण पहल' के तहत आयोजित कार्यक्रम में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल (सिम्स), हापुड़ के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के द्वारा 'जीनोविया-.आईएसएआर राष्ट्रीय पीजी शिक्षण पहल' के अंतर्गत सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) एवं बांझपन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।इस शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के ज्ञान, नैदानिक कौशल एवं आधुनिक प्रजनन चिकित्सा की समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों एवं विशेषज्ञों के बीच संवाद, अनुभव साझा करने तथा साक्ष्य-आधारित चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। सीएमई में बांझपन प्रबंधन के संपूर्ण विषय को वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रजनन शरीर क्रिया विज्ञान, ओवेरियन रिजर्व असेसमेंट, कंट्रोल्ड ओवेरियन स्टिम्युलेशन प्रोटोकॉल, आईवीएफ लैब वर्कफ़्लो, भ्रूण विकास, पुरुष बांझपन, इंफर्टिलिटी अल्ट्रासाउंड, एआरटी की जटिलताएं, नैतिक एवं कानूनी पहलुओं सहित प्रजनन चिकित्सा के भविष्य पर विस्तृत व्याख्यान दिए गए।कार्यक्रम में देश की प्रतिष्ठित प्रजनन चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।डॉ. ईशा, आईवीएफ विशेषज्ञ, लोकप्रिय हॉस्पिटल, मेरठ ने सत्र 0, 2, 4, 5 एवं 6 का संचालन करते हुए बांझपन के आधुनिक उपचार, आईवीएफ प्रक्रियाओं एवं क्लीनिकल अनुभवों पर विस्तृत जानकारी दी।डॉ. नीति विजय, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं आईवीएफ विशेषज्ञ, द क्लीनिक्स, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ने सत्र 1 एवं 3 में आधुनिक आईवीएफ तकनीकों, साक्ष्य-आधारित बांझपन प्रबंधन तथा प्रजनन चिकित्सा के नवीनतम आयामों पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में इंटरैक्टिव व्याख्यान, क्लीनिकल केस चर्चा, शैक्षणिक वीडियो, केस-आधारित शिक्षण तथा प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों को जटिल चिकित्सीय विषयों को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। विशेषज्ञों के साथ संवाद ने विद्यार्थियों के ज्ञान एवं आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि की।इस राष्ट्रीय सीएमई में विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम ने युवा चिकित्सकों को देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से सीखने, जटिल मामलों पर चर्चा करने तथा सहायक प्रजनन तकनीक के नवीनतम विकास से परिचित होने का अवसर प्रदान किया।इस अवसर पर प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पारिधि गर्ग ने सभी विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम भविष्य के स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, वैज्ञानिक सोच एवं गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए तैयार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।संस्थान की प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल डॉ. चरनजीत सिंह आहलूवालिया, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, निदेशक रघुवर दत्त तथा महाप्रबंधक एन. वर्धराजन ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक कार्यक्रम संस्थान की उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संस्थान के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन तथा वाइस चेयरपर्सन सुश्री रम्या रामचंद्रन ने विभाग, आयोजन समिति, आमंत्रित विशेषज्ञों एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षा में निरंतर नवाचार, अनुसंधान एवं कौशल विकास के माध्यम से ही भविष्य के कुशल चिकित्सकों का निर्माण संभव है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए विभाग की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने की शुभकामनाएं दीं।'जीनोविया-.आईएसएआर राष्ट्रीय पीजी शिक्षण पहल' जैसे राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से सारस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता स्थापित करते हुए भावी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों को आधुनिक ज्ञान, नैदानिक दक्षता एवं मानवीय मूल्यों से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

खाद्य विभाग की कार्रवाई: बिस्मिल्लाह ढाबा व गर्ग डेयरी पर छापा, ग्रेवी, पनीर, बटर व दूध के नमूने जांच के लिए भेजे

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में आयुक्त , खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ०प्र० लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी महोदया के निर्देश के क्रम में चन्द्र शेखर मिश्र सहायक आयुक्त (खाद्य)-।हापुड़ के नेतृत्व में गठित सचल दल जिसमे, पंकज कुमार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सोवेन्द्र सिंह पंघाल, विपिन कुमार सिंह, मोहित कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी सम्मिलित रहे द्वारा जनपद हापुड में की गयी कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है। बाबूगढ छावनी हापुड स्थित गर्ग डेयरी पर औचक छापा मारकर पनीर का एक नमूना, बटर का एक नमूना, दूध का एक नमूना संग्रहित किया गया एव मौके पर पायी गयी कमियो के लिए सूधार सूचना नोटिस जारी किया जा रहा है। एन.एच.09 बाबूगढ हापुड स्थित बिस्मिल्लाह ढाबा पर औचक छापा मारकर ग्रेवी का एक नमूना संग्रहित किया गया एव मौके पर पायी गयी कमियो के लिए सूधार सूचना नोटिस जारी किया जा रहा है।उपरोक्त समस्त नमूनो की वास्ते जाँच खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी साथ ही उक्त अभियान निरन्तर चलता रहेगा।

गढ़मुक्तेश्वर में पं. चंद्रशेखर आजाद जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, 250 से अधिक लोगों ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर में महान क्रांतिकारी भारत के वीर सपूत अमर शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद जी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भाग लेकर चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ हर्षवर्धन शर्मा ने की संचालन अंकित भडाना जी ने किया कार्यक्रम में विधानसभा 60 गढ़मुक्तेश्वर से लगातार संघर्ष कर रहे आशुतोष शर्मा ने ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ मिलकर श्रद्धांजलि अर्पित की उन्होंने कहा आजाद जी का जीवन देशभक्ति त्याग का प्रतीक है तथा युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए इस मौके पर अखिल भारतीय ब्राह्मणमहासभा रा संगठन के पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष पंडित विजेंद्र शर्मा जिला उपाध्यक्ष प्रभात शर्मा जिला महासचिव महेश शर्मा जिला सचिव श्री भगवान शर्मा विधानसभा प्रभारी आशुतोष शर्मा मंडलीय सचिव करण शर्मा क्षेत्रीय सचिव मुकेश शर्मा जिला संरक्षक मांगू शर्मा जिला प्रवक्ता मुकेश शर्मा ब्लॉक सचिव सिंभावली शैलेश शर्मा जिला महामंत्री पंडित मनोहर लाल शर्मा विधानसभा उपाध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर लख्मीचंद शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष गौरव शर्मा पंडित मूलचंद शर्मा शंकर टीला जिला कोषाध्यक्ष हापुर पंडित अमित शर्मा जिला प्रभारी हापुड़ रिंकू शर्मा पंडित पवन शर्मा जिला संरक्षक हापुर डॉक्टर हर्षवर्धन शर्मा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव जी हृदय शर्मा जी अमित शर्मा जी शैलेंद्र शर्मा जी पंडित राजवीर शास्त्री नंदलाल शर्मा बृजघाट आशु शर्मा बृजघाट कपिल शर्मा बृजघाट पंडित सुनील शर्मा भारतीय किसान यूनियन सेवक राष्ट्रीय प्रवक्ता आदेश गुर्जर राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन सेवक पंडित धनंजय तिवारी जी आचार्य रोहित शास्त्री जी धर्मपाल शर्मा जी राहुल शर्मा laurari भूषण शर्मा पंडित विजय शर्मा laurari पंडित दिनेश शर्मा ' पंडित मनवीर शर्मा पंडित बुद्ध प्रकाश शर्मा हैदरपुर नरेंद्र नागर परशुराम सेवा के जिला अध्यक्ष अमित शर्मा जी युवा जिला अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा जी जिला प्रभारी परशुराम सेना गौरव शर्मा जी पप्पू शर्मा पावटी मनवीर शर्मा पंडित नंदकिशोर त्रिपाठी जी आदि सैकड़ो की संख्या में कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह ने कांवड़ यात्रा 2026 के लिए पुलिस अलर्ट,17 कांवड़ मोबाइल बाइक को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में कांवड़ यात्रा 2026 को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय से 17 कांवड़ मोबाइल बाइक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्गों, प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिसकर्मी सक्रिय रहकर लगातार पेट्रोलिंग करें। श्रद्धालुओं से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जाए।पुलिस ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। मोबाइल बाइक पेट्रोलिंग टीम मार्ग में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करेगी। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से भी पूरे मार्ग पर नजर रखी जाएगी। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अनुशासन बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें।

'आया सावन झूम के' अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में गूंजी काव्यधारा, अशोक गोयल 'चक्रवर्ती' ने बिखेरा काव्य रस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के पिलखुवा में,श्री राम राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था अयोध्या धाम शाखा मेरठ के तत्वाधान में सावन के उपलक्ष में एक काव्य संध्या का ऑनलाइन सायं 7: 00 बजे से आयोजन किया गया सभी साहित्यकारों ने सावन का स्वागत अपने उत्कृष्ट रचनाओं पर हल्की-हल्की सावन की फुहारे पड रही हैं।कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार अशोक गोयल चक्रवर्ती जी रहे मुख्य अतिथि आदरणीय ऊषा सूद विशिष्ट अतिथि आदरणीय वरिष्ठ कवयित्री बीना गोयल जी रही कार्यक्रम का शुभारंभ आशा विसरिया जी की सरस्वती वंदना से हुआ।

कार्यक्रम का संचालन अरुणा पवार एवं राम कुमारी जी के द्वारा किया गया श्री राम राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था की राष्ट्रीय प्रभारी वरिष्ठ कवयित्री आदरणीय बिना गोयल जी के साथ-साथ किरण अग्रवाल प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश, योगेश वशिष्ठ अलवर राजस्थान, डॉ मनोज फगवाड़ी फगवाड़ा पंजाब ,डॉक्टर सुधा शर्मा , सतीश सहज मेरठ उत्तर प्रदेश,रामस्वरूप मयूरेश झारखंड, नीरज सिंह अमरावती महाराष्ट्र चुन्नी रस्तोगी मेरठ उत्तर प्रदेश रीता गुगलानी फरीदाबाद हरियाणा आशा विसरिया चंदौसी ममता गुप्ता बाराबंकी उत्तर प्रदेश मोनिका डागा आनंद चेन्नई संध्या श्रीवास्तव साझ छतरपुर मध्य प्रदेश रजनी सिंह गाजियाबाद उत्तर प्रदेश गुलाब सिंह मेरठ उत्तर प्रदेश सीमा मुकुंद अग्रवाल रायपुर छत्तीसगढ़ सरिका मेहता मेरठ उत्तर प्रदेश सुरेश कुमार बंछोर अभ्यर्थी भिलाई मध्य प्रदेश किरण कुमारी भागलपुर कुसुम लता जानी मेरठ उत्तर प्रदेश अशोक कुमार जानी मेरठ उत्तर प्रदेश प्रेमचंद मेरठ उत्तर प्रदेश मल्लिका दे शिलांग , सुनीता छाबड़ा गा . बीना सिंह रागी भिलाई मध्य प्रदेश शिखा पांडे सरायपाली छत्तीसगढ़ रामदेव शर्मा राही छाता मथुरा श्रीमती सुशीला जांगड़ा जींद हरियाणा सुरेश कुमार सुलौदिया हरियाणा सरिता श्रीवास्तव जोधपुर राजस्थान,अरुणा पवार मेरठ एवं राम कुमारी मेरठ आज की गरिमा मई उपस्थिति पटल पर रही अंत में पटल के अध्यक्ष अशोक गोयल चक्रवर्ती जी का अध्यक्षीय उद्बोधन एवं कविता पाठ तथा कार्यक्रम को विराम आदरणीय ऊषा सूद जी के द्वारा किया गया।

नियमित मानदेय की मांग को लेकर पैरावेट पशु मित्रों ने कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। ऑल पैरावेट पशु मित्र कार्य सेवा समिति, सिद्धार्थनगर ने नियमित मानदेय की मांग पूरी न होने पर एफएमडी टीकाकरण एवं कृत्रिम गभार्धान कार्य के बहिष्कार की चेतावनी दी है। इस संबंध में समिति के जिलाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश के पैरावेट पशुमित्र, लेमेन इंसेमिनेटर एवं मैत्री कई वर्षों से नियमित मानदेय की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। संगठन का कहना है कि 14 जुलाई 2025 को मंत्री स्तर से नियमित मानदेय का आश्वासन दिया गया था।इसके बाद प्रमुख सचिव के निर्देश पर पशुपालन विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर 13 जनवरी 2026 को शासन को भेज दिया, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। समिति का आरोप है कि कई बार ज्ञापन देने और अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे प्रदेशभर के पैरावेट कर्मियों में भारी नाराजगी है।

संगठन ने बताया कि 23 जुलाई 2026 को प्रदेश के पैरावेट पशुमित्र, लेमेन इंसेमिनेटर एवं मैत्री पशुपालन निदेशालय लखनऊ से विधानसभा तक पदयात्रा करेंगे तथा जीपीओ पार्क में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि आंदोलन के दौरान किसी भी सदस्य के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम पाण्डेय, जिला सचिव राज कपूर यादव, जिला मंत्री लालसा, जिला कोषाध्यक्ष रामनरेश, सदस्य दीपेंद्र कुमार, सुरेश यादव, किशलय श्रीवास्तव, संचित पाण्डेय, कृष्ण कुमार दूबे, साहबदीन, शिवचंद्र, शंकर भट्ट, जय प्रकाश श्रीवास्तव, दीपेंद्र ,राम प्रताप चौधरी, राम प्रवेश,सुनील, दिवाकर चौरसिया, मनीष चौधरी, पंकज कुमार यादव तथा प्रदीप कुमार तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अंतिम संस्कार के दौरान नदी में डूबे तीन युवक लापता, तलाश में जुटी गोताखोरों की टीम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। दाह संस्कार कराने पहुंचे तीन युवक नदी में डूब गए। घटना के बाद घाट पर अफरातफरी मच गई और स्वजन के साथ मौजूद लोगों में चीख-पुकार शुरू हो गई। मामला गुरुवार को शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के बैदौली घाट स्थित बानगंगा नदी की है।जानकारी के अनुसार जोगिया विकासखंड की ग्राम पंचायत माधवापुर के मजरा मिझुनिया निवासी कंचन देवी (85) पत्नी स्वर्गीय राम मुकुट के अंतिम संस्कार के दौरान गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे तीन युवक नदी में उतर गए। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और लापता हो गए।

डूबने वाले युवकों की पहचान 18 वर्षीय शिवा पुत्र राममूरत, 18 वर्षीय रवि पुत्र रामस्वरूप तथा 19 वर्षीय मोनू पुत्र बब्लू, निवासी ग्राम मधवापुर टोला मिझुनियां, थाना शोहरतगढ़ के रूप में हुई है।

बताया गया कि तीनों गांव की एक बुजुर्ग महिला के अंतिम संस्कार में शामिल होने बैदौली घाट आए थे। अंतिम संस्कार के दौरान किसी तीनों नदी में उतर गए और गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। इनमें से एक युवक मृतका का नाती बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवकों को डूबता देख घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही पहुंची शोहरतगढ़ पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को खोज अभियान में लगाया। आसपास के ग्रामीण भी तलाश में सहयोग कर रहे हैं।

खबर लिखे जाने के देर शाम तक युवकों का पता नहीं चल सका था। प्रशासन का कहना है कि राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और अधिकारियों द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल बना हुआ है।

एसडीएम राजेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया है। एसडीआरएफ टीम को भी सूचना दे दी गई है और उसके पहुंचते ही खोज अभियान को और तेज किया जाएगा। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे।

निमार्णाधीन मकान का छज्जा गिरने से मजदूर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के कमसार गांव में बुधवार सुबह निमार्णाधीन मकान का छज्जा गिरने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार कमसार गांव निवासी प्रकाश मौर्य (40) मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह अपने निमार्णाधीन मकान के छज्जे के नीचे लगी शटरिंग (प्लाई) खोल रहे थे। तभी कंक्रीट का भारी-भरकम छज्जा अचानक भरभराकर उनके ऊपर गिर पड़ा, जिससे वह मलबे में दब गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे तथा कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें मलबे से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटवा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक का माहौल छा गया। घटना की सूचना पर पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी मृतक के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित परिवार को शासन से मिलने वाली हर संभव आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिशन शक्ति के तहत एंटी रोमियो स्क्वॉड का अभियान, महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति 5.0 फेज-2 के तहत गुरुवार को सिद्धार्थनगर पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वॉड टीम ने चिल्हिया थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर स्कूल-कॉलेजों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की। इस दौरान महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देने के साथ मनचलों पर भी नजर रखी गई। प्रभारी एंटी रोमियो स्क्वॉड उपनिरीक्षक मीरा चौहान के नेतृत्व में टीम ने पल्टा देवी मंदिर, जगदीशपुर, रेलवे स्टेशन चिल्हिया सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण किया। इस दौरान महिलाओं एवं बच्चियों को महिला हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर हेल्पलाइन 1930, एंबुलेंस सेवा 108 एवं स्वास्थ्य सेवा 102 के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। टीम ने मुख्य सड़कों, बाजारों और चौराहों पर चेकिंग करते हुए महिला दुकानदारों से भी बातचीत की तथा आसपास अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्ध एवं मनचले युवकों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अभियान के दौरान कहीं से भी कोई अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई। अभियान में उपनिरीक्षक मीरा चौहान, महिला मुख्य आरक्षी मंजू मौर्य एवं महिला आरक्षी नेहा सिंह शामिल रहीं।

निर्माण श्रमिकों के लिए अनेक नई कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखण्ड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए अनेक नई कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने श्रमिक और श्रमिक परिवारों के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत 02 मेडिकल मोबाइल वैन का भी फ्लैग ऑफ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार श्रमिक कल्याण के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज शुरू की जा रही कल्याणकारी योजनाएं भी श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि ह्लमुख्यमंत्री पोषण योजनाह्व के माध्यम से जहां श्रमिक परिवारों को पोषण सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं 'मुख्यमंत्री शिक्षा सामग्री योजना' के माध्यम से श्रमिक भाई -बहनों के बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान से प्रेरणा लेकर शुरू की जा रही 'मुख्यमंत्री स्वच्छता सामग्री वितरण कार्यक्रम' के जरिए श्रमिक परिवारों में हाइजीन किट का वितरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को कौशल प्रदान करने के लिए शुरू की जा रही, 'मुख्यमंत्री योग एवं वेलनेस आरोग्य योजना' के अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं को योग एवं वेलनेस के क्षेत्र में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना के तहत हर साल 210 बच्चों को आवासीय सुविधायुक्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इस योजना के तहत तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 70 युवाओं को भी प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद रोजगार से जोड़ने की भी व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री श्रमिक स्वास्थ्य परीक्षण योजना' के अंतर्गत शुरू की जा रही मोबाइल मेडिकल वैंस के जरिए विशेष स्वास्थ्य दल दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचकर श्रमिक भाई-बहनों को उनके कार्य एवं आवास स्थल पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

वैन में एक्स-रे, ईसीजी सहित 44 प्रकार की जाँचें पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही इस वैन में टेली-कंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह भी मिलेगी तथा जाँच के बाद तीन महीने तक उनके स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाएगी। इसकी शुरूआत पौड़ी गढ़वाल और चम्पावत जनपद से हो रही है, जिसे चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों को उनके कार्य के लिए औजार, साइकिल और सिलाई मशीन उपलब्ध कराकर उन्हें आजीविका की दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास भी कर रही है।

इसके अलावा, पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को अपना घर बनाने या घर खरीदने के लिए भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, वृद्ध निर्माण श्रमिकों को मासिक पेंशन उपलब्ध कराकर उनके जीवन को आर्थिक सुरक्षा और सम्मान देने का कार्य भी हमारी सरकार द्वारा किया जा रहा है।

26 जुलाई को होगा माटीकला जागरूकता कार्यक्रम, उत्कृष्ट शिल्पियों का होगा सम्मान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड के नौवें स्थापना पखवाड़ा दिवस के अवसर पर जनपद में 26 जुलाई 2026 को प्रातः 10 बजे विकास भवन परिसर स्थित अंबेडकर सभागार में माटीकला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गंगाधर दुबे ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के माटी शिल्पकला से जुड़े उद्यमियों एवं कारीगरों का समन्वित विकास, उनके कौशल का उन्नयन तथा उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। साथ ही माटीकला उत्पादों की गुणवत्ता, उपयोगिता, पर्यावरण संरक्षण तथा आधुनिक तकनीक के अनुरूप इनके उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान माटीकला क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों एवं शिल्पियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा परंपरागत कुम्हारी एवं माटीकला से जुड़े कारीगरों का उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड में पंजीकरण कराया जाएगा तथा उन्हें विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने जनपद के सभी माटीकला उद्यमियों, शिल्पियों एवं इच्छुक लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

जलभराव के बीच निकली शवयात्रा, तिरपाल के नीचे हुआ अंतिम संस्कार; वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। नगर-निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र के वार्ड संख्या-11 स्थित मुडेशी गांव में गुरुवार को एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला। गांव निवासी 40 वर्षीय अमर सिंह के निधन के बाद उनकी शवयात्रा जलभराव से भरे रास्तों से होकर निकाली गई। श्मशान घाट तक जाने वाले मार्ग पर पानी भरा होने के कारण अंतिम संस्कार बारिश की धाराओं के बीच तिरपाल लगाकर करना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है। लगभग एक वर्ष पूर्व भी इसी गांव में एक महिला का अंतिम संस्कार तिरपाल के नीचे और जलभराव के बीच करना पड़ा था। उस समय भी वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था, लेकिन इसके बावजूद श्मशान घाट और पहुंच मार्ग की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा मोक्ष धामों के विकास के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत किए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन गांवों और कॉलोनियों के अधिकांश श्मशान घाटों पर मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

सरकार द्वारा मोक्ष धाम के लिए स्वीकृत करोड़ों रुपए धनराशि अधिकारीयों एवं जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से पार कर ली जाती है। पिछले दो बार से नगर निगम के चुनाव में लगातार भाजपा के मेयर पद जीतने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। गांववासियों ने नगर निगम चुनाव में डबल इंजन के साथ ट्रिपल इंजन भी जोड़ दिया था परंतु स्थानीय नेताओं एवं अधिकारियों की कार्यप्रणाली से लोगों का भरोषा ठगने का काम किया गया है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से मुडेशी गांव के मोक्ष धाम और वहां तक पहुंचने वाले मार्ग का शीघ्र विकास कराने की मांग की है।

अड़ींग के तरुण ने नीट क्वालीफाई किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/अड़ींग। गांव के युवा तरुण ने नीट परीक्षा में 879 कैटेगरी एवं 32767 नेशनल रेंक हासिल की है। यह उनका दूसरा प्रयास है। उन्होंने परिवार के परिश्रम और पैसे की अहमियत देते हुए लक्ष्य बनाकर कड़ी मेहनत की। उनकी मां श्रीमती ममता आंगनवाड़ी कार्यकत्री हैं व पिता रूपकिशोर प्राईवेट रूप से चिकित्सा सहायक का काम करते हैं। तरुण ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की शिक्षा ज्ञानदीप शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल से प्राप्त की। अच्छे अंकों से परीक्षा पास करने के कारण उन्हें सीकर राजस्थान की कोचिंग में कम खर्च में पढ़ने का अवसर मिल गया। 2025 में उन्हें बी ए एम एस मिला लेकिन उन्होंने अपने एम बी बी एस के लक्ष के चलते इसे छोड़कर और कड़ी मेहनत की। उन्होंने बताया कि कोचिंग और कमरे पर वह हर दिन करीब 13-14 घण्टे की रीडिंग करते थे। उन्हें हर पल कड़ी मेहनत से परिवादियों द्वारा कमाये धन से उन्हें पढ़ाने की पीड़ा सताती थी। एक बार नीट का पेपर लीक होने से उन्हें काफी निराशा हाथ लगी लेकिन उन्होंने मेहनत से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने कहा कि हमें अपने लक्ष्य से नहीं भटकना चाहिए। जो ठान लिया है उसके लिए सतत प्रयास व कड़ी मेहनत जरूरी है।

गुरु पूर्णिमा मेले में करोड़ों श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुरक्षा ही प्रशासन का संकल्प : एसडीएम सुशील कुमार सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह ने कहा कि मेले में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सेवा, सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि परिक्रमा मार्ग, प्रमुख मंदिरों और मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल, पीएसी, स्वास्थ्य विभाग, नगर पंचायत, विद्युत, जल संस्थान, अग्निशमन तथा अन्य विभागों की टीमें पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, मोबाइल शौचालय, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था को मजबूत किया गया है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष डायवर्जन प्लान भी लागू किया गया है।

एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षित और सुगम यात्रा प्रशासन की जिम्मेदारी है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, निर्धारित मार्गों का उपयोग करें तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल प्रशासन और पुलिस की सहायता लें। प्रशासन का संकल्प है मुड़िया पूर्णिमा मेला पूरी श्रद्धा, सुरक्षा और सुव्यवस्था के साथ संपन्न हो।

चेकिंग अभियान के दौरान धौलाना पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना धौलाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नियमित चेकिंग अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। हापुड़ पुलिस का कहना है कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित चेकिंग व सघन अभियान चलाए जाते रहेंगे।

बिजली कंपनियों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (भृत्य/चपरासी) को राज्य शासन की तर्ज पर कार्यालय सहायक श्रेणी-3 पद पर पदोन्नति देने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ (फेडरेशन) के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) नीरज मंडलोई, ऊर्जा सचिव, एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के सीएमडी एवं सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशकों (MDs) को पत्र प्रेषित कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण अनुरोध किया है। पाठक ने कहा कि ऊर्जा विभाग के संवेदनशील रुख, कुशल नेतृत्व एवं सकारात्मक सोच के कारण वर्तमान में बिजली कंपनियों के सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के हित में लगातार कल्याणकारी निर्णय लिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ (फेडरेशन) इसके लिए आभार व्यक्त करता है। फेडरेशन के महामंत्री ने पत्र में उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम तथा जबलपुर कलेक्टर ने अपने राजस्व विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी (भृत्य/चपरासी) कर्मचारियों को कार्यालय सहायक श्रेणी-3 (सहायक ग्रेड-3) के पद पर पदोन्नति प्रदान करने संबंधी आदेश जारी कर दिए हैं। विशेष रूप से, पर्यटन विकास निगम ने दिनांक 10 जुलाई 2026 (आदेश क्रमांकः 7926/प्रशासन-II/नियुक्ति/2026) के माध्यम से भृत्य के पद पर कार्यरत 6 कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-3 (तृतीय श्रेणी, वेतनमानः 5200-20200 + ग्रेड पे 1900, 7वें वेतनमान का लेवल-4) के पद पर पदोन्नत किया है।

ऊर्जा विभाग की सभी छह बिजली कंपनियों में लागू करने का आग्रह राकेश डी. पी. पाठक ने आग्रह किया है कि इसी तर्ज पर ऊर्जा विभाग के अधीन संचालित सभी छह कंपनियों– एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (जबलपुर), मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (इंदौर), मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (भोपाल), में लंबे समय से कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी कार्यालय सहायक श्रेणी-3 के पद पर पदोन्नति दी जाए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में बिजली कंपनियों के भृत्य/चपरासी एक ही पद पर कार्य करते हुए सेवानिवृत्त हो जाते हैं। यदि शासन के इस निर्णय को बिजली कंपनियों में भी लागू कर दिया जाता है, तो इन कर्मचारियों की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे उनका जीवनस्तर सुधरेगा तथा भविष्य उज्ज्वल एवं सुरक्षित हो सकेगा। फेडरेशन ने पूर्ण विश्वास जताया है कि ऊर्जा मंत्री एवं शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेंगे। आदेश जारी होने पर संघ उनका अत्यंत आभारी रहेगा। यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता मदन वर्मा द्वारा प्रदान की गई।

विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने पर चारु जैन ने किया उपखंण्ड विद्युत अधिकारी अंकित त्यागी का आभार व्यक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

गागलहेडी। मोंन्ट फोर्ट स्कूल के प्रधानाचार्य श्रीमती चारु जैन ने उपखंण्ड विद्युत अधिकारी, अंकित त्यागी कैलाशपुर से भेंट कर विद्यालय की विद्युत व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उनका हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्हें प्रतीक चिन्ह के रूप में एक पौधा भेंट किया गया।

प्रधानाचार्य श्रीमती चारु जैन ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उनके निर्देशन एवं सहयोग से विद्यालय की विद्युत व्यवस्था इसी प्रकार सुचारू बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि आपके निर्देशन में क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था अत्यंत अच्छी रही है और विद्यालय को भी आपका निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा है। विद्यालय परिवार आपके सहयोग एवं सकारात्मक कार्यशैली के लिए हृदय से आभारी है।

शिवा ढाबा से नकदी चोरी का खुलासा, 30 हजार रुपये समेत तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने शिवा ढाबा पर खड़ी पिकअप गाड़ी से नकदी चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 30 हजार रुपये नकदी, एक अवैध तमंचा, एक अवैध चाकू तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार जनपद में अपराध नियंत्रण एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने थाना क्षेत्र के मुकदमा अपराध संख्या 345/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस का सफल अनावरण करते हुए तीनों आरोपियों को स्याना रोड से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कादिर उर्फ सोनू पुत्र वाजिद निवासी ग्राम पितन औदा, थाना हीमपुर दीपा, जनपद बिजनौर, नवील पुत्र नसीम निवासी मोहल्ला पलिया पाड़ा, थाना कोतवाली चांदपुर, जनपद बिजनौर तथा इमरान पुत्र कादिर निवासी ग्राम फजलपुर टकी, थाना हल्दौर, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कादिर उर्फ सोनू थाना हीमपुर दीपा का हिस्ट्रीशीटर (एचएस-141ए) है। उसके विरुद्ध हापुड़, बिजनौर और गाजियाबाद जनपदों में डकैती, चोरी, हत्या के प्रयास सहित करीब आधा दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामदगी में 30 हजार रुपये नकद, एक अवैध तमंचा 315 बोर मय एक जिंदा कारतूस, एक अवैध चाकू तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल (डीएल-1एसएके-6020 एवं यूपी-20डीए-3289) शामिल हैं। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

तमंचे की नोक पर गौशाला से गोवंश ले गए तस्कर, चौकीदार को बनाया बंधक

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना कोसीकलां क्षेत्र के गांव ऐंच स्थित अस्थाई गौशाला में गुरुवार देर रात हथियारबंद गौ तस्करों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। रात करीब एक बजे 5 से 6 अज्ञात बदमाश गौशाला में घुस आए और वहां चौकीदारी कर रहे महाराज सोरन दास को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। आरोप है कि बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देते हुए 10 से 12 गोवंश वाहन में लादे और मौके से फरार हो गए। चौकीदार सोरन दास के अनुसार बदमाशों ने उनकी कनपटी पर तमंचा रखकर कहा कि यदि शोर मचाया तो गोली मार देंगे। घटना के बाद सूचना मिलते ही थाना कोसीकलां पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्राम प्रधान हरिपाल सिंह ने घटना को कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। शाहपुर चौकी प्रभारी विनीत नेहरा ने बताया कि पुलिस टीम आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चला रही है तथा सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

एनएचएआई व किसान की जमीन का विवाद सुलझाने को हुई पैमाइश

राजस्व विभाग और एनएचएआई की संयुक्त टीम ने मौके पर किया सीमांकन, एनएचएआई व राजस्व टीम ने कराई पैमाइश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। थाना छाता क्षेत्र के गांव बिलौठी में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और किसान के बीच लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद के समाधान के लिए शुक्रवार को एनएचएआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर सीमांकन और पैमाइश कराई।

बताया गया कि बिलौठी निवासी किसान कुमर सिंह की कुछ भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग में अधिग्रहित हो गई थी। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने पड़ोसी राजेश माहेश्वरी की भूमि पर कब्जा कर लिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी।

मामले की शिकायत के बाद एनएचएआई के अधिकारियों और राजस्व विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर अभिलेखों के आधार पर भूमि की पैमाइश और सीमांकन कराया। पैमाइश के दौरान संबंधित अधिकारियों ने दोनों पक्षों को मौजूद रखकर वास्तविक सीमा का निर्धारण किया।

अधिकारियों का कहना है कि सीमांकन रिपोर्ट के आधार पर आगे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में भूमि को लेकर किसी प्रकार का विवाद न रहे।

मौके पर एनएचएआई के प्रतिनिधियों के साथ राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सीमांकन की कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

साइबर ठगी के 5 पीड़ितों को बड़ी राहत, खलीलाबाद साइबर सेल ने लौटाए 3 लाख से अधिक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे 'क्रैक साइबर क्राइम' अभियान के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के उद्देश्य से साइबर सेल थाना कोतवाली खलीलाबाद प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे, अपराध निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार यादव (प्रभारी साइबर सेल), आरक्षी रविकान्त कुशवाहा, महिला आरक्षी शिवांगी सिंह, रि0आ0 अनुज शुक्ला, रि0आ0 ऋतिक वर्मा ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के 05 पीड़ितों के खातों में कुल 3,09,571.18 की धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई।

सोलर सिस्टम लगाने का झांसा देकर 1,34,000 की साइबर ठगी

सुनील उपाध्याय पुत्र साधुसरन उपाध्याय, निवासी जनता मार्ग कसैला रोड, थाना कोतवाली खलीलाबाद द्वारा दिनांक 22.04.2026 तथा 21.05.2026 पर शिकायत दर्ज कराई गई कि अज्ञात साइबर ठग द्वारा सोलर सिस्टम लगाने का झांसा देकर 1,34,000 की ठगी कर ली गई थी। शिकायत प्राप्त होने पर साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात आरक्षी रविकान्त कुशवाहा एवं महिला आरक्षी शिवांगी सिंह द्वारा संबंधित बैंक एवं अन्य माध्यमों से प्रभावी पैरवी की गई, जिसके परिणामस्वरूप शत प्रतिशत 1,34,000 पीड़ित के खाते में वापस कराए गए।

स्वास्थ्य विभाग की मशीन दिलाने के नाम पर 70,000 की ठगी

प्रदीप यादव पुत्र इन्द्रासन, निवासी बन्नोहिया, थाना कोतवाली खलीलाबाद द्वारा दिनांक 25.03.2026 पर शिकायत दर्ज कराई गई कि अज्ञात साइबर ठग द्वारा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित मशीन उपलब्ध कराने का झांसा देकर 70,000 की ठगी कर ली गई थी। प्रभावी कार्रवाई के बाद पीड़ित के खाते में शत प्रतिशत 70,000 वापस कराए गए।

गुम मोबाइल का दुरुपयोग कर खाते से धनराशि ट्रांसफर, 48,071.18 कराए गए वापस

ओमप्रकाश पुत्र रामदुलारे, निवासी मोहल्ला अंजान शहीद, मगहर, थाना कोतवाली खलीलाबाद द्वारा दिनांक 17.06.2025 पर शिकायत दर्ज कराई गई कि मोबाइल गुम होने के बाद अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल का अनधिकृत उपयोग कर उनके बैंक खाते से 2,17,598.24 ट्रांसफर कर लिए गए थे। साइबर सेल की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप 48,071.18 की धनराशि वापस कराई गई।

पार्सल भेजने के नाम पर 1,500 की ठगी

मुन्ना चौहान पुत्र सीयाराम, निवासी बेल्दारी टोला, थाना कोतवाली खलीलाबाद द्वारा दिनांक 18.03.2026 पर शिकायत दर्ज कराई गई कि पार्सल भेजने के नाम पर 1,500 की ठगी कर ली गई थी। साइबर सेल की कार्रवाई के उपरांत 1,500 की शत प्रतिशत धनराशि वापस कराई गई।

लोन समाप्त कराने का झांसा देकर 56,000 की ठगी

राहुल राय पुत्र विजय कुमार राय, निवासी तकिया बाजार, मगहर, थाना कोतवाली खलीलाबाद द्वारा दिनांक 20.07.2026 पर शिकायत दर्ज कराई गई कि अज्ञात साइबर ठग द्वारा लोन समाप्त कराने का झांसा देकर 56,000 की ठगी कर ली गई थी। साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर शत प्रतिशत 56,000 पीड़ित के खाते में वापस कराए गए।

साइबर सेल टीम :- जनसामान्य से अपील किसी भी अनजान कॉल, लिंक, OTP, दफ कोड अथवा ब्लैकमेलिंग के झांसे में न आएं।

यदि आप साइबर ठगी के शिकार हो जाएं तो तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा www.cybercrime. gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर आपकी धनराशि सुरक्षित कराई जा सके।

साइबर अपराध के शिकार हुए पीड़ित को साइबर सेल थाना दुधारा पुलिस टीम ने दिलाई राहत, वापस कराई गई 70,000/-.रु0 की धनराशि

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा पुलिस ने सतत प्रभावी कार्यवाही करते हुए आवेदक के फ्राड हुए 2,00,102.00 रुपये में से 70,000/-रु0 की धनराशि आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दिया है। क्रैक साइबर क्राइम के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने हेतु साइबर सेल थाना दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुशवाहा, उ0नि0 अनिल मिश्रा (प्रभारी साइबर सेल), का0 अनुज कुमार, का0 ऋषिकेश यादव, रि0का0 हर्ष सिंह व म0रि0का0 एकता सिंह ने सतत प्रभावी कार्यवाही करते हुए आवेदक के फ्राड हुए 2,00,102.00 रुपये में से 70,000/-रु0 की धनराशि आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दिया गया है। शमशाद अहमद निवासी ग्राम करमा खान थाना दुधारा ने दिनांक 28.04.2025 को शिकायत दर्ज कराई कि आवेदक की मोबाइल उसरा शहीद मार्केट में दिनांक 25/04/2025 को गिर गई थी, इस बीच उक्त चोरी किये गये मोबाइल से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आनलाइन पैसा निकाला जाता रहा। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात आरक्षी ऋषिकेश यादव द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई एवं प्रभावी पैरवी की गई, जिसके परिणामस्वरूप प्रथम चरण में 70,000/- की धनराशि आवेदक के खाते में वापस करा दी गई। शेष धनराशि की वापसी हेतु संबंधित बैंक एवं अन्य संस्थाओं से निरंतर पैरवी की जा रही है तथा शीघ्र ही शेष धनराशि भी वापस कराई जाएगी। आवेदक द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस एवं साइबर हेल्प डेस्क की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

रामकोला थाने के कांस्टेबल अखण्ड प्रताप सिंह बने दीवान, तीन फीतियां लगने पर पुलिस महकमे में खुशी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर के रामकोला थाने में तैनात कांस्टेबल मोहरिर अखण्ड प्रताप सिंह को विभागीय पदोन्नति मिलने पर मुख्य आरक्षी (दीवान) के पद पर पदोन्नत किया गया। पदोन्नति के उपलक्ष्य में आयोजित एक गरिमामय समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनके बाजू पर तीन फीतियां लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारियों का दायित्व सौंपा। इस अवसर पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पुलिस विभाग में पदोन्नति केवल पद परिवर्तन नहीं, बल्कि एक कर्मठ और ईमानदार पुलिसकर्मी की सेवा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली का सम्मान भी होती है। अखण्ड प्रताप सिंह ने अपने सेवा काल के दौरान अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण पदोन्नति प्राप्त हुई।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मियों के अच्छे कार्यों को समय-समय पर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाता है। पदोन्नति से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे अधिक उत्साह, निष्ठा एवं समर्पण के साथ जनता की सेवा करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मुख्य आरक्षी के रूप में अखण्ड प्रताप सिंह अपनी नई जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पदोन्नति के बाद मुख्य आरक्षी अखण्ड प्रताप सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर वे पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि जनता के प्रति सेवा, सुरक्षा और विश्वास की जिम्मेदारी भी है। वे आगे भी पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे। समारोह के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया। सभी ने विश्वास जताया कि अखण्ड प्रताप सिंह अपने अनुभव और कार्यकुशलता के बल पर विभाग की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। रामकोला थाना क्षेत्र के गणमान्य लोगों, शुभचिंतकों तथा परिचितों ने भी उनकी पदोन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। लोगों ने इसे उनकी मेहनत, ईमानदारी और वर्षों की निष्ठापूर्ण सेवा का परिणाम बताते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ पुलिसकर्मी विभाग के साथ-साथ समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

चन्द्र शेखर को मोटराइज्ड रिक्शा एवं बैसाखी दिलाई: 100% दिव्यांग होकर भी दूसरों का सहारा सेवा और संघर्ष की मिसाल बने प्रमोद कुमार दूबे

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जहाँ अधिकांश लोग अपनी कठिन परिस्थितियों के आगे हार मान लेते हैं, वहीं नाथनगर ब्लाक के सुकरौली गांव निवासी 100 प्रतिशत दिव्यांग दिव्यांग संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार दूबे 25 वर्षों से अपने अदम्य साहस, सेवा भावना और सामाजिक समर्पण से यह साबित कर रहे हैं कि यदि इरादे मजबूत हों तो कोई भी शारीरिक चुनौती इंसान के हौसलों को नहीं रोक सकती। स्वयं पूर्ण रूप से दिव्यांग होने के बावजूद प्रमोद कुमार दूबे लगातार दिव्यांगजनों की समस्याओं को सुन रहे हैं, उन्हें सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं तथा उनके अधिकार दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। आज वे गोरखपुर सीआरसी में चन्द्र शेखर भरवल पर्वता हैंसर धनघटा संतकबीरनगर को मोटराइज्ड रिक्शा एवं बैसाखी दिलाई, प्रमोद कुमार दूबे जरूरतमंद दिव्यांगों को संबंधित विभागों तक उनकी बात पहुँचाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनका मानना है कि समाज में दिव्यांगजनों को दया नहीं, बल्कि सम्मान और समान अवसर मिलना चाहिए। इसी सोच के साथ वे वर्षों से निस्वार्थ भाव से समाजसेवा में जुटे हैं। उनकी इस पहल से अनेक दिव्यांगजनों को राहत मिली है और उनमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

दो माह में उखड़ी सिसवा-मठिया सड़क, गड्ढों से ग्रामीण परेशान; बालू ट्रकों की आवाजाही पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। सिसवा-.मठिया मार्ग पर विशेष मरम्मत के तहत लगभग दो माह पूर्व बनाई गई सड़क की हालत फिर खराब हो गई है। सड़क कई स्थानों पर उखड़ चुकी है और जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दो माह में ही सड़क की गुणवत्ता पर उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि जिस सड़क की मरम्मत पर सरकारी धन खर्च किया गया, वह इतनी कम अवधि में ही क्षतिग्रस्त हो जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि यदि कार्य मानकों के अनुरूप हुआ होता तो सड़क इतनी जल्दी खराब नहीं होती।

बालू की ओवरलोड ट्रकों से बढ़ा सड़क पर दबाव

स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन बालू से लदी भारी ट्रकों का लगातार आवागमन हो रहा है। आरोप है कि कुछ ट्रक चालक पैसे बचाने के उद्देश्य से मुख्य मार्ग छोड़कर गांव के संपर्क मार्गों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे सड़क पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है और नई बनी सड़क तेजी से टूट रही है।

ग्रामीण रास्ते भी हो रहे हैं क्षतिग्रस्त

ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही से गांव की संपर्क सड़कें और कच्चे रास्ते भी टूट रहे हैं। इसके अलावा धूल, शोर और जाम की समस्या से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

बरसात में बढ़ा हादसों का खतरा

सड़क पर बने गहरे गड्ढों में बरसात के दौरान पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक और अन्य राहगीर दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी कई बार संबंधित विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण नहीं होने के कारण सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

ग्रामीणों ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण एवं विशेष मरम्मत कार्य की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि निर्माण में किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

ओवरलोड वाहनों पर लगे रोक, सड़क की हो तत्काल मरम्मत

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड बालू ट्रकों की नियमित जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा क्षतिग्रस्त सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर आम जनता को राहत दी जाए।

प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी लोगों की निगाहें

अब पूरे क्षेत्र के लोगों की नजर प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है।

शिक्षकों की पीड़ा शिक्षक ही समझेगा, शिक्षक हितों के लिए एकजुट होकर मतदान की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। आगामी शिक्षक निर्वाचन विधान परिषद चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) ने शिक्षक मतदाताओं के बीच संपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में जिला अध्यक्ष एवं प्रांतीय प्रतिनिधि लक्ष्मीकांत शर्मा तथा सतीश चंद्र गंगवार ने रोजी फ्लावर इंटर कॉलेज, एचआरके इंटर कॉलेज, एचआरके लॉ कॉलेज, एचआरके महाविद्यालय तथा अंगूरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज में शिक्षकों से संपर्क कर चुनाव में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

संपर्क अभियान के दौरान शिक्षक नेताओं ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं और उनकी पीड़ा को एक शिक्षक से बेहतर कोई नहीं समझ सकता।

समान कार्य के लिए समान वेतन, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के लिए नियमावली, सेवा सुरक्षा सहित शिक्षक हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ लगातार संघर्ष करता रहा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों के अधिकारों के लिए संगठन निरंतर आवाज उठाता रहा है और भविष्य में भी शिक्षक हितों की लड़ाई मजबूती से जारी रखी जाएगी। शिक्षक नेताओं ने कहा कि सीबीएसई से संचालित विद्यालयों को भी विभिन्न मुद्दों को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कभी एनसीईआरटी की पुस्तकों तो कभी वाहनों से संबंधित मामलों में विद्यालयों और शिक्षकों के उत्पीड़न की शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे मामलों में माध्यमिक शिक्षक संघ शिक्षकों और विद्यालयों के पक्ष में आवाज उठाकर समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करता है।

उन्होंने शिक्षक मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में अपने मत का प्रयोग सोच-समझकर करें और शिक्षक हितों के लिए समर्पित शिक्षक प्रत्याशी को ही अपना समर्थन दें। इस दौरान डॉ. सुनीत गिरी को कर्मठ, ईमानदार और संघर्षशील प्रत्याशी बताते हुए उनके पक्ष में प्रथम वरीयता का मत देने की अपील की गई।

शिक्षक नेताओं ने कहा कि डॉ. सुनीत गिरी किसी भी प्रकार के उत्पीड़न अथवा शिक्षक समस्या के समय शिक्षकों के साथ खड़े रहते हैं। संपर्क अभियान के दौरान शिक्षकों से चुनाव में एकजुट होकर शिक्षक हितों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया।

आजादी के अस्सी वर्ष पानी कीचड से भरा गाव पुरे रुप पूछ रहा कहा है विकास

विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)। आजादी के उन्यासी वर्ष पूरे कर देश बस कुछ दिनो बाद गर्व से अपना 80वा स्वतंत्रता दिवस जोर शोर से मनाने को तैयार है। केन्द्र और प्रदेश सरकार के मुखिया भी स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए देश को सम्बोधित करने को तैयार हो रहे है यह बताने को कि हमने विकास को देश के हरेक उस कोने तक पहुचाया जहा कभी किसी अन्य सरकार की नजर नही पहुची। लेकिन उनके सम्बोधन की हर बात को जनपद प्रतापगढ़ का एक गाव झुठलाता हुआ अपने भाग्य पर आसू बहाता नजर आता है। लालगन्ज तहसील के खंड विकास क्षेत्र रामपुर संग्रामगढ की ग्राम सभा पूरे बीरबल का छोटा सा राजस्व गाँव पूरे रूप(लच्छू का पुरवा) एक अदद रास्ते के लिए तडप रहा है। जरा सी बरसात हो जाए तो एकमात्र रास्ते पर चल पाना असंभव होता है। सरकार मे बैठी राजनीतक पार्टी कहती है हमने विकास की गंगा बहा दी है। कौशाम्बी लोकसभा देश की ससद मे पहुचे युवा सांसद पुष्पेन्द्र सरोज भी यही कहते है हमारा विकास गाव गाव जाकर देखा जा सकता है तो वही राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल के विधायक विनोद सरोज जो लगातार चार पचवर्षीय से जीतते आ रहे है उनका भी तो यही दावा है कि 'आल इज वेल'। लेकिन प्रदेश सरकार के मुखिया हो या सासद विधायक और ग्राम प्रधान प्रतापगढ़ जनपद का बेहद छोटा सा गाव पूरे रूप (लच्छू) चीख चीख कर कह रहा है कि सब झूठे है और यदि सच है तो क्यो मेरे रास्ते पर वर्ष भर होता है पानी, कीचड व गड्ढा। क्यो मेरे यहा के बच्चो को गोद मे उठाकर लगभग आधा किलोमीटर दुर

दूसरे गाव ले जाने के बाद स्कूल ड्रेस पहना स्कुल की गाड़ी मे बैठाना पड़ता है। यदि सरकार सासद विधायक ग्राम प्रधान ने किया है विकास तो क्यो मेरे गाव के बीमारो गर्भवती महिलाओ को अस्पताल ले जाने के लिए नही पहुँचती मुझ तक एम्बुलेंस। यदि सरकार सांसद विधायक व ग्राम प्रधान इमानदार और सच्चे है तो आए मेरे पास और बताये कि मै पूरब जाऊ तो भी कीचड और पश्चिम जाऊ तो भी कीचड वाला सदाबहार रास्ता क्यो है। मेरे विकास के लिए ऊँट के मुह जीरा वाला ही सही कुछ विकास किसी ने किया है तो सिर्फ ग्राम प्रधानो ने। लेकिन चाहे किसी भी दल की सत्ता रही हो या रहा हो किसी भी दल का सांसद या विधायक इन्ही रास्तो की वजह से मुझ तक पहुचने का साहस भी न कर सके। हा एक बार मुझ तक बडी मुश्किल से पहुंचे थे विधायक विनोद सरोज किए थे वायदे लेकिन आज तक न पूरा हुआ उनका कोई वायदा। बस यहा यदि मेरे दुख दर्द मे कभी कोई जनप्रतिनिधि पहुंचा तो वो सिर्फ ग्राम प्रधान रहे और वो लोग देते रहे कुछ ऐसा कि न मै बस हाड मास सा बस जीवित रहू। मै ग्राम पूरे रूप(लच्छू का पुरवा) हू,-यदि किसी अधिकारी सरकारी नुमाईन्दे राजनीतिक दल सांसद या विधायक मे साहस है तो मुझ तक पहुचने का साहस करे और बताये कि मै झूठ बोल रहा या सच या वास्तव मे एक बार फिर मै गर्व से देश की आजादी का उत्सव मनाते हुए बहाऊगा अपनी बदहाली पर आंसू।

जिला जेल में चार दिवसीय टीबी स्क्रीनिंग कैंप का समापन, 471 कैदियों के हुए डिजिटल एक्स-रे

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिला क्षय रोग केंद्र के तत्वावधान में जिला जेल में आयोजित चार दिवसीय टीबी स्क्रीनिंग कैंप का शुक्रवार को समापन हो गया। कैंप के अंतिम दिन जेल अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. नरेश चंद्र ने कैदियों का स्वास्थ्य निरीक्षण किया, जबकि जिला क्षय रोग केंद्र के सीनियर पर्यवेक्षक राजेश कुमार गंगवार ने कैदियों की काउंसलिंग कर उन्हें टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। काउंसलिंग के दौरान राजेश कुमार गंगवार ने कैदियों को बताया कि टीबी एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर पहचान और नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बैरक में किसी व्यक्ति को लगातार खांसी या टीबी से संबंधित अन्य लक्षण दिखाई दें तो उसे तत्काल जांच करानी चाहिए। खांसते समय मुंह पर कपड़ा रखने और संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी गई। साथ ही कैदियों को नशे से दूर रहने के लिए भी जागरूक किया गया कैंप के दौरान जिला क्षय रोग केंद्र की एक्स-रे टेक्नीशियन आरती वर्मा ने डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से कैदियों की जांच की। अंतिम दिन कुल 121 कैदियों के एक्स-रे किए गए, जिनमें 21 महिला कैदी भी शामिल रहीं। एक्स-रे जांच के दौरान टीबी के संभावित लक्षण वाले 48 संदिग्ध व्यक्तियों के बलगम के नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। जिला क्षय रोग केंद्र के सीनियर लैब टेक्नीशियन रामनरेश सिंह ने संदिग्ध कैदियों के बलगम के नमूने फाल्कन ट्यूब में एकत्र किए, जिन्हें आगे की जांच के लिए जिला क्षय रोग केंद्र लाया गया। चार दिनों तक चले इस विशेष स्क्रीनिंग अभियान में जिला क्षय रोग केंद्र की टीम ने कुल 471 कैदियों के डिजिटल एक्स-रे किए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया कि इस तरह के स्क्रीनिंग कैंप का उद्देश्य टीबी के संभावित मरीजों की समय रहते पहचान कर उन्हें उचित उपचार उपलब्ध कराना और जेल परिसर में संक्रमण के प्रसार को रोकना है।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित 02 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 अनिल कुमार यादव, आ0 सुनील पाल, आ0 अरविन्द तिवारी ने थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 581/2026 धारा 115(2),352,351(3) बी0एन0एस0 व धारा बढोत्तरी 109(1),117,3(5) बी0एन0एस0 थाना कोतवाली खलीलाबाद में वांछित अभियुक्त ईश्वर उर्फ कूनरू पुत्र गंगा, चन्दन पुत्र गंगा निवासीण मोहल्ला पठान टोला पश्चिमी थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

विदित हो कि दिनाँक 29.06.2026 को वादी श्री रामकिशुन पुत्र व राम आसरे निवासी पठान टोला थाना कोतवाली खलीलाबाद द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि दिनांक 25.06.2026 को अभियुक्त उपरोक्त रात के 10 बजे छोटी सी वाद-विवाद को लेकर गाली देते हुए लाठी-डण्डों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिये।

बरेली पुलिस में अनुशासन पर बड़ा प्रहार: सोशल मीडिया, गैरहाजिरी और ड्यूटी से इनकार पर SSP का एक्शन, 7 पुलिसकर्मी निलंबित

मेयर का पॉडकास्ट रिकॉर्ड करना पड़ा भारी, छुट्टी के बाद नहीं लौटे चार सिपाही, ड्यूटी से इनकार करने वालों पर भी गिरी गाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता, सोशल मीडिया पॉलिसी के उल्लंघन और ड्यूटी के प्रति लापरवाही पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बड़ा प्रशासनिक एक्शन लेते हुए एक साथ सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में अनुशासन को लेकर स्पष्ट संदेश चला गया है कि नियमों से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मेयर का पॉडकास्ट बना कार्रवाई की वजह

रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात आरक्षी अजय कुमार पर आरोप है कि उन्होंने विभागीय अनुमति के बिना बरेली के मेयर उमेश गौतम का पॉडकास्ट और इंटरव्यू रिकॉर्ड कर उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया। इसे उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 का उल्लंघन मानते हुए एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करा दी।

छुट्टी खत्म, लेकिन ड्यूटी पर नहीं लौटे चार रिक्रूट सिपाही

अनुशासनहीनता के दूसरे मामले में रिक्रूट आरक्षी पीयूष मोहन (थाना क्योलड़िया), अनिल कुमार (थाना मीरगंज), सगुन कुमार (यूपी-112) और विवेक धामा (थाना इज्जतनगर) छुट्टी समाप्त होने के बाद भी बिना अनुमति ड्यूटी पर वापस नहीं पहुंचे। लगातार अनुपस्थित रहने पर चारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

ड्यूटी से इनकार करना भी पड़ा महंगा

रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात आरक्षी सौरभ कुमार निर्धारित ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए। वहीं पुलिस लाइन में तैनात कुक विक्की कश्यप पर ड्यूटी के लिए बुलाए जाने के बावजूद आने से इनकार करने का आरोप है। दोनों के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं।

एक साथ सात निलंबन से पुलिस महकमे में हलचल

एक ही आदेश में सात पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई ने पूरे पुलिस विभाग में हलचल मचा दी है। विभागीय स्तर पर इसे अनुशासन लागू करने की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सेवा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह सख्त कदम उठाए जाएंगे।

एसएसपी का साफ संदेश—'अनुशासन से समझौता नहीं'

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। ड्यूटी में लापरवाही, विभागीय आदेशों की अवहेलना, सोशल मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन या किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सभी मामलों की विभागीय जांच निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी और दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा सुसाइड केस: नामजद आरोपियों ने आरोपों से किया इनकार, निष्पक्ष जांच की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। वीडियो वायरल होने के बाद आत्महत्या करने वाली नाबालिग छात्रा के मामले में नया घटनाक्रम सामने आया है। छात्रा के भाई की शिकायत पर नामजद तीन आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताते हुए पुलिस जांच पर सवाल उठाए हैं। वहीं, हिंदू जागरण मंच समेत कुछ हिंदू संगठनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

नामजद आरोपियों में शामिल निर्दोष राठौर ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में दावा किया कि उनके संगठन ने केवल पुलिस को सूचना दी थी और पुलिस कार्रवाई का वीडियो साझा किया गया था। उनका कहना है कि किसी युवती की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमा गलत तथ्यों पर आधारित है।

दूसरी ओर, हिंदू जागरण मंच के प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी को दिए ज्ञापन में कहा कि एफआईआर में नामजद किए गए लोगों के खिलाफ पर्याप्त तकनीकी या प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं हैं। ज्ञापन में मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के दावों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। मामले की जांच जारी है और जांच के निष्कर्ष आने के बाद ही आरोपों की पुष्टि या खंडन हो सकेगा।

तीन पिंजरों में कैद थे सात पहाड़ी तोते, वन विभाग ने तस्कर को दबोचा

बरामद तोतों को सुरक्षित संरक्षण में लिया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। वन्यजीवों की अवैध तस्करी और संरक्षित पक्षियों के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरनपुर में बड़ी कार्रवाई की गई। वन विभाग की टीम ने स्टेशन चौराहे के पास सात जीवित पहाड़ी तोतों के साथ एक व्यक्ति को पकड़ लिया। बरामद सभी पक्षी एलेक्जेंड्रिन पैराकीट यानी पहाड़ी तोता प्रजाति के बताए गए हैं। कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, पूरनपुर रेंज के वन दरोगा आशीष कुमार, हर्षित मिश्रा और सुरजीत कुमार की टीम वन्यजीव तस्करी की रोकथाम के लिए क्षेत्र में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान स्टेशन चौराहे के पास टीम को एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में साइकिल से जाता दिखाई दिया।

वन विभाग की टीम ने उसे रोककर तलाशी ली तो साइकिल पर तीन लोहे के पिंजरे रखे मिले। पिंजरों को खोलकर देखा गया तो उनमें सात जीवित पहाड़ी तोते कैद थे। पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्ति की पहचान गंगाराम पुत्र जयपाल, निवासी मोहल्ला साहूकारा लाइन पार, थाना पूरनपुर के रूप में हुई। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार आरोपी पक्षियों को रखने अथवा उनके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद टीम ने सभी सातों पक्षियों को कब्जे में लेकर आरोपी को हिरासत में ले लिया।

वन विभाग के मुताबिक बरामद पक्षी एलेक्जेंड्रिन पैराकीट प्रजाति के हैं, जिन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत संरक्षित किया गया है। ऐसे पक्षियों का अवैध शिकार, पकड़ना, व्यापार करना अथवा बंधक बनाकर रखना कानूनन अपराध है। विभाग ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरामद तोतों को वन विभाग ने सुरक्षित संरक्षण में ले लिया है। अधिकारियों के अनुसार पक्षियों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में छोड़े जाने की कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध रूप से संरक्षित पक्षियों को पकड़कर बेचने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

एकीकृत बागवानी मिशन परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। तहसील क्षेत्र आम की विभिन्न प्रजातियों के लिए विख्यात है। और स्याना तहसील को फल पट्टी के नाम से भी जाना जाता है। स्याना क्षेत्र में चोसा आम की प्रजाति पर संकट मंडरा रहा है। बताया जा रहा है की चौसा के आम की प्रजाति को उकटा जैसी गंभीर बीमारी आ गई है जिससे कि चौसा आम की वैरायटी विलुप्त होने की कगार पर है। इसी क्रम में आम की पैदावार बढ़ाने और किसानों के आय दुगनी करने के उद्देश्य से लखनऊ स्थित केंद्रीय उपयोग बागवानी संस्थान रमन खेड़ा के वैज्ञानिकों की टीम बुधवार को बुलंदशहर तहसील सियाना क्षेत्र के फल पट्टी में पहुंची।

वैज्ञानिकों ने मधुसूदन के संरक्षक बब्बन मियां के आम के बाग में जाकर वैज्ञानिक ने राज्य दिशा कमेटी के सदस्य बब्बन मियां के बाग में जाकर उत्पादकों के साथ जागरूकता कार्यक्रम किया। प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर प्रभात कुमार ने डा सुशील कुमार सर्विस इंजीनियर अनिकेत कुमार और आनंद झा ने कहा कि किसानों को उन्नत किस्मो की वैज्ञानिक विधि द्वारा पेड़ों की कटाई चटाई व संतुलित प्रयोग और पौधों की सिंचाई प्रतिबंध के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।

आम में लगने वाले सुख और उक्त रोग के साथ ही माइलवग इतना छिड़क पाउडरी मिल्डयू और जैसे कीट रोगों की पहचान एवं उनके जैविक व रासायनिक नियंत्रण के उपाय बताएं उन्होंने उपज कीगुणवत्ता सुधारने और भंडारण आधुनिक तरीकों पर भी चर्चा की कार्यक्रम के दौरान आम उत्पादकों ने वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करें और अपनी समस्या साजा कि और किसानों ने विशेष रूप से आम के वर्षों में सुख जैसी गंभीर बीमारी के बारे अवगवत कराया। वैज्ञानिकों ने किसानों की इस गंभीर समस्या को उपाय और निर्देश दिए। इस मौके पर क्षेत्र के दर्जन आम व्यापारी मौजूद रहे।

छह वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के प्रयास का आरोप, मुकदमा दर्ज

बाल अपचारी हिरासत में, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीय बालिका के साथ कथित दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, पूरनपुर नगर के एक मोहल्ले की रहने वाली महिला की छह वर्षीय पुत्री पड़ोस के गांव स्थित अपनी नानी के घर गई हुई थी। बुधवार शाम बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान बालिका घर से बाहर निकली।

आरोप है कि पड़ोस का एक किशोर उसका मुंह दबाकर जबरन पास के शौचालय में ले गया। वहां उसने अपने और बालिका के कपड़े उतारकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बताया जाता है कि बालिका की चीख-पुकार सुनकर पास में मौजूद एक अन्य किशोर मौके पर पहुंच गया। उसे आता देख आरोपी वहां से भाग निकला और बालिका सुरक्षित बाहर आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और पीड़िता के परिजनों से पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया।

उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पवन पांडे ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही बालिका को नियमानुसार आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की पंचायत 24 जुलाई को लोहरा गांव में होगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। शिकारपुर विकासखंड के ग्राम लोहरा में 24 जुलाई को दोपहर 12:00 बजे भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की पंचायत आयोजित की जाएगी। पंचायत का मुख्य मुद्दा गांव की क्षतिग्रस्त एवं टूटी हुई सड़कों की समस्या रहेगा। संगठन द्वारा इस संबंध में धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह ने जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) बुलंदशहर, खंड विकास अधिकारी शिकारपुर, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) तथा मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बुलंदशहर से अनुरोध किया है कि वे दोपहर 12:00 बजे

पंचायत स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कराने का कष्ट करें। साथ ही सभी सम्मानित पत्रकार बंधुओं से भी अनुरोध किया गया है कि वे पंचायत एवं धरना-प्रदर्शन की कवरेज हेतु समय पर उपस्थित होकर जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने में सहयोग प्रदान करें।

बुलंदशहर में सड़क चौड़ीकरण कार्य में तेजी के निर्देश, डीएम ने की समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में गुरुवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत एवं वन विभाग से जुड़े यूटिलिटी शिफ्टिंग और वृक्ष कटान के कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि जनपद में 14 महत्वपूर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। कई स्थानों पर विद्युत पोल और पेड़ों के कारण निर्माण कार्य

प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि विद्युत पोलों की शिफ्टिंग और वृक्षों के कटान के लिए आवश्यक धनराशि संबंधित विभागों को पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है। जिलाधिकारी ने वन एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे वृक्षों का कटान और विद्युत पोलों की शिफ्टिंग शीघ्र कराई जाए। उन्होंने लोक निर्माण, विद्युत और वन विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। डीएम ने कहा कि वृक्ष कटान के दौरान आवश्यक विद्युत शटडाउन लेने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के समय पर पूरा हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री निशा ग्रेवाल, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राहुल शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेरठ रेंज में कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए मेरठ रेंज में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी के अनुसार 969 किमी लंबे 28 प्रमुख कांवड़ मार्गों पर यात्रा संचालित होगी।

यात्रा के दौरान 148 बैरियर स्थापित किए गए हैं तथा 32 प्रमुख शिव मंदिरों में जलाभिषेक और 12 श्रावण मेलों का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए घाटों पर 157 नावें और 139 प्रशिक्षित गोताखोर तैनात किए गए हैं। बुलंदशहर के ब्रजघाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर जल पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी मौजूद रहेंगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का पालन करने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

बरखेड़ा के गांवों में गूंजा धनपति वर्मा का संदेश, बोले- खोखले दावों से नहीं बदलेगी गांवों की तस्वीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने बुधवार को 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम धनकुना, डंडिया, कैमा, चहलोरा, हसन नगर तकिया, भिन्डारा और गिधौर समेत कई गांवों का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने मौजूदा सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधते हुए

कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से परेशान है, लेकिन सरकार जनता की वास्तविक समस्याओं से मुंह मोड़ रही है। धनपति वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की स्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी है। गांवों में सड़क, जलनिकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए धरातल पर उतरना चाहिए, केवल दावों और घोषणाओं से गांवों की तस्वीर नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के अधिकारों की आवाज उठाती रही है। पार्टी की राजनीति का केंद्र आम जनता है और कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं को समझने और उन्हें उचित मंच पर उठाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष और तेज किया जाएगा।सपा नेता ने कहा कि जनता अब विकास के नाम पर किए जा रहे खोखले दावों का हिसाब मांग रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करें और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर जनता के बीच अपनी पकड़ और मजबूत करना है। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने धनपति वर्मा का स्वागत करते हुए क्षेत्र की सड़क, विकास और अन्य स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया।

दिल्ली प्रदर्शन से पहले शिकारपुर में कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट, भाजपा सरकार पर लगाए आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर (बुलंदशहर)। दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शनों के मद्देनजर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार सुबह शिकारपुर पुलिस ने कांग्रेस नेता एवं जिला महासचिव बुलंदशहर शिवकुमार शर्मा को उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर दिया। कांग्रेस नेता शिवकुमार शर्मा ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उनका आरोप है कि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है और विरोध

की आवाज को रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। शिवकुमार शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी और वर्ष 2029 में देश की जनता भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने का काम करेगी। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से एहतियातन की गई है। क्षेत्र में पुलिस सतर्क है और स्थिति सामान्य बनी हुई है।

कला ही मनुष्य की मूलभूत अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट माध्यम रही है: डॉ संघर्ष शर्मा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर संघर्ष शर्मा ने कहा कि मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि कला ही मनुष्य की मूलभूत अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट माध्यम रही है। आदिमानव द्वारा गुफाओं की दीवारों पर बनाए गए चित्र केवल सजावट नहीं थे, बल्कि वे तत्कालीन अनुभव और भावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम थे। यही परंपरा समय के साथ विकसित होकर चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला और अन्य ललित कलाओं के रूप में मानव संस्कृति का अभिन्न अंग बन गई। आज भी समाज की सांस्कृतिक समृद्धि का मूल्यांकन उसकी कला और साहित्य से ही किया जाता है। चित्रकला केवल मनोरंजन या अवकाश का साधन नहीं, बल्कि मनुष्य के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास का आधार है। इसलिए स्वाभाविक सवाल है कि आखिर डिजिटल एआई युग में बाल विकास में चित्रकला एवं फाइन आर्ट्स की भूमिका को कब समझिएगा? अनुभव बताता है कि वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली तेजी से तकनीक-आधारित होती जा रही है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट कक्षाएँ तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण प्रणालियाँ बच्चों के सीखने के तरीकों को बदल रही हैं। इन परिवर्तनों ने शिक्षा को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया है, किन्तु इसके साथ ही बच्चों के दैनिक जीवन में मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर स्क्रीन का समय भी तेजी से

संवेदनशीलता बनाए रखने तथा संतुलित व्यक्तित्व के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वाकई चित्रकला का अभ्यास बच्चों को केवल रंगों और आकृतियों का ज्ञान नहीं देता, बल्कि वह उन्हें देखने, समझने, अनुभव करने और अभिव्यक्त करने की क्षमता प्रदान करता है। जब कोई बच्चा किसी प्राकृतिक दृश्य, स्मारक, व्यक्ति या वस्तु का चित्र बनाता है, तब वह उसके आकार, रंग, प्रकाश, छाया और अनुपात के साथ साथ उनकी ऐतिहासिकता व प्रासंगिकता का सूक्ष्म अवलोकन करता है। यह प्रक्रिया उसकी एकाग्रता, विश्लेषणात्मक सोच तथा रचनात्मक क्षमता का विकास करती है। खासकर बाल्यावस्था में कला का अभ्यास मानसिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि चित्रांकन बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपनी मौलिक अभिव्यक्ति विकसित करने का अवसर देता है। जब बच्चा किसी विषय को अपने तरीके से चित्रित करता है, तब वह केवल देखी हुई वस्तु की नकल नहीं करता, बल्कि उसमें अपनी कल्पना, अनुभव और भावनाओं को भी सम्मिलित करता है। यही प्रक्रिया उसे भविष्य में वैज्ञानिक, अभियंता, वास्तुकार, डिजाइनर, लेखक अथवा उद्यमी के रूप में नवीन विचार विकसित करने की क्षमता प्रदान करती है। प्रत्येक बच्चे में विभिन्न प्रकार की बौद्धिक क्षमताएँ होती हैं और कला शिक्षा इन क्षमताओं के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आज प्रतिस्पर्धा, परीक्षा का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएँ तथा डिजिटल जीवनशैली बच्चों में तनाव और चिंता जैसी समस्याओं को बढ़ा रही हैं। ऐसे समय में चित्रकला बच्चों को बिना किसी भय या दबाव के अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययनों में यह सिद्ध हुआ है कि कला-आधारित गतिविधियाँ तनाव को कम करती हैं, आत्मविश्वास बढ़ाती हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती हैं। यही कारण है कि विश्व के अनेक देशों में कला चिकित्सा (Art Therapy) का उपयोग बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए किया जा रहा है।

बार एसोसिएशन मोदीनगर के चुनाव में अध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सचिव पद पर होगा सीधा मुकाबला

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बार एसोसिएशन मोदीनगर (पंजी.) के वर्ष 2026-27 के वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद केंद्रीय चुनाव समिति ने चुनाव लड़ने वाले एवं निर्विरोध निर्वाचित पदों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। चुनाव अधिकारी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस बार तीन प्रमुख पदों पर सीधा चुनाव होगा, जबकि कई पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए रामकुमार चौधरी एवं भुवनेश्वर प्रसाद भारद्वाज के बीच सीधा मुकाबला होगा। वहीं कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सचिन दीक्षित और अंकित शर्मा आमने-सामने होंगे। सचिव पद के लिए संजय मुद्गल तथा सौरभ शर्मा के बीच चुनावी मुकाबला होगा। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष (महिला आरक्षित) पद पर श्रीमती सुधा रानी , सहसचिव (महिला आरक्षित) पद पर श्रीमती राखी त्यागी, कोषाध्यक्ष पद पर सुमित शर्मा, मीडिया प्रभारी पद पर संजीव चिकारा तथा ऑडिटर (महिला आरक्षित) पद पर श्रीमती मृदु बिंदल एकल नामांकन होने के कारण निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्य के चार पदों के लिए प्राप्त नामांकन पत्रों के अनुसार उपलब्ध पदों की संख्या के अनुरूप सदस्यों का निर्वाचन किया जाएगा। बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल है। केंद्रीय चुनाव समिति ने सभी अधिवक्ताओं से लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान में भाग लेने की अपील की है। इस संबंध में जारी चुनाव अधिसूचना पर मुख्य चुनाव अधिकारी जगबीर सिंह (एडवोकेट) तथा सहायक चुनाव अधिकारी विशाल शर्मा एडवोकेट तथा चुनाव समिति के अन्य अधिकारियों के हस्ताक्षर भी अंकित हैं। चुनाव समिति ने सभी प्रत्याशियों से चुनाव आचार संहिता का पालन करने और गरिमापूर्ण वातावरण बनाए रखने का अनुरोध किया है।

सीबीएसई एसजीएफआई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विज्यांश चौधरी ने जीता स्वर्ण पदक, नेहरू वर्ल्ड स्कूल ने किया 1,02,620 से सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नेहरू वर्ल्ड स्कूल, शास्त्री नगर के छात्र एवं गाजियाबाद शूटिंग क्लब के प्रतिभाशाली शूटर विज्यांश चौधरी ने 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स पिस्टल एवं राइफल शूटिंग चैंपियनशिप 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 बालक वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय, सीबीएसई, जनपद गाजियाबाद तथा देश का गौरव बढ़ाया।

यह प्रतियोगिता 5 से 9 जनवरी तक मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग अकादमी, बिशनखेड़ी, भोपाल में आयोजित हुई। विज्यांश ने 400 में से 381 अंक (15एक्स) अर्जित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर नेहरू वर्ल्ड स्कूल, शास्त्री नगर,

गाजियाबाद ने विज्यांश चौधरी को 1,02,620 का सम्मान-चेक प्रदान कर उनकी उपलब्धि का सम्मान किया। विज्यांश चौधरी अजय प्रमुख के छोटे सुपुत्र हैं। उनकी इस सफलता पर विद्यालय परिवार, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आर.के.जी. ग्लोबल स्कूल में हैप्पी अर्थ कैंपेन का भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आर.के.जी. ग्लोबल स्कूल में हैप्पी अर्थ कैंपेन का आयोजन बड़े उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रखने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में 'हमारी मंच संचालिका ने आदरणीय चेयरपर्सन श्रीमती आँचल गोयल का प्रेरणादायक संदेश सभी विद्यार्थियों तक पहुँचाया'। 'विद्यालय की डायरेक्टर प्रिंसिपल मैम कैप्टन डॉ. दिनिशा भारद्वाज सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पृथ्वी के महत्व और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला'। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने, बिजली का सही उपयोग करने और प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का प्रयास किया। सभी ने पृथ्वी को प्रदूषण से बचाने और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि पृथ्वी केवल हमारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी धरोहर है, इसलिए इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने सभी से पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाने का आह्वान किया।

छात्रा शिवानी ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त कर बढ़ाया महाविद्यालय का गौरव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित 38 वें दीक्षांत समारोह में गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज मोदीनगर की एमएससी टैक्सटाइल्स एंड क्लोथिंग की मेधावी छात्रा शिवानी ने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर स्वर्ण पदक (Gold Medal) प्राप्त कर महाविद्यालय, अपने परिवार एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है, इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

महाविद्यालय के प्राचार्या डॉक्टर नूतन सिंह ने छात्रा शिवानी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिवानी भविष्य में भी अपने ज्ञान,प्रतिभा एवं परिश्रम से नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगी। महाविद्यालय के प्रबंधन तंत्र के अध्यक्ष, सचिव, समस्त

शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों ने शिवानी को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण, शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों की मेहनत का उत्कृष्ट उदाहरण है।

लाठीचार्ज के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना लगातार तीसरे दिन जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने बस स्टैंड स्थित दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने बस स्टैंड स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के सामने अनिश्चितकालीन धरना लगातार तीसरे दिन भी जारी है। पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष राहुल कलछीना का कहना है कि जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से मार्च निकाल रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज किया गया, जो निदनीय है। छात्रों पर बबर्रता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्रों के हितों के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संसद

परिसर में धरना दे रहे है।अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष राहुल कलछीना के साथ अध्यक्ष का कहना है कि जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से मार्च निकाल रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज किया गया, जो निदनीय है। छात्रों पर बबर्रता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब तक छात्रों की जायज मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक यह धरना जारी रहेगा। धरना स्थल पर राहुल कुमार कलछीना, सम्राट जाटव, दिलीप सागर, सानुज गौतम, ओमप्रकाश निवेज तथा पूरी टीम लगातार डटी है इस आंदोलन को किसानों, समाजवादी पार्टी के साथियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। छात्रों को न्याय मिले, उनकी मांगें पूरी हों,यही हमारी मांग है।

बैनामा लेखक संघ की पदाधिकारियों ने नवनियुक्त एसडीएम का किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बैनामा लेखक संघ मोदीनगर के द्वारा हमारी तहसील मोदीनगर की नवनियुक्त हुई उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में श्रीपाल सिंह अध्यक्ष,प्रदीप शर्मा सचिव,कपिल चौधरी पूर्व अध्यक्ष, राजेंद्र अमराला,वीरेंद्र त्यागी कांति त्यागी, शिवम त्यागी, एडवोकेट आकाश त्यागी, नरेंद्र तोमर,नरेंद्र चौधरी, रहे।

गौतमबुद्धनगर में भाकियू भानु का संगठन विस्तार, कई नए पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विभिन्न स्थानों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की। राष्ट्रीय प्रमुख उपाध्यक्ष अजब सिंह कसाना के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में संगठन विस्तार के साथ नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। अलीपुरा गांव में नरेंद्र कुमार को जिला उपाध्यक्ष, मनवीर सिंह को जिला मंत्री तथा हरिसिंह को जिला सहमंत्री नियुक्त किया गया।

वहीं दादरी तहसील में एडवोकेट सूरज साह को जिला उपाध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और किसानों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अजब सिंह कसाना ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसानों की आवाज को मजबूती देना और हर गांव तक संगठन को पहुंचाना है। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष संजय नागर, जिलाध्यक्ष राजकुमार नागर, तहसील अध्यक्ष भानु प्रकाश, विधान अध्यक्ष जीवाराम यादव, तहसील सचिव मुनीम नागर, तहसील उपाध्यक्ष पंकज चौधरी और कपिल कुमार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुपोषण के खिलाफ सख्त अभियान: डीएम बोले–100% लक्ष्य हासिल करें, लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिला पोषण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कुपोषण मुक्त गाजियाबाद के लक्ष्य को लेकर पोषण अभियान और महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित संचालन, पोषण ट्रैकर एप पर शत-प्रतिशत डेटा फीडिंग, बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर

समस्या हो तो तत्काल अवगत कराया जाए, लेकिन कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए।

समीक्षा में बताया गया कि जून 2026 में 98.57 प्रतिशत पंजीकृत बच्चों का वजन किया गया। डीएम ने इसे 100 प्रतिशत तक पहुंचाने के निर्देश देते हुए 467 गंभीर कुपोषित (सैम) और 3,040 मध्यम कुपोषित (मैम) बच्चों को समय पर उपचार, पोषण पोटली और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही पोषण पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए।

बैठक में टेक होम राशन वितरण, सम्भव अभियान 6.0, ई-कवच पोर्टल तथा महिला कल्याण विभाग की योजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना के लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कर सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

डीएम कार्यालय कूच से पहले सुभासपा नेताओं पर पुलिस का पहरा, हाउस अरेस्ट का आरोप

ज्ञापन देने से रोका तो उठे सवाल, पार्टी बोली- लोकतांत्रिक अधिकारों का हो सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के निर्देश पर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने जा रहे पार्टी नेताओं को पुलिस द्वारा पहले ही रोकने और हाउस अरेस्ट किए जाने का आरोप लगाया गया है।

पार्टी नेताओं के अनुसार, वे जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से डीएम को ज्ञापन देने जा रहे थे। उनका आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें ज्ञापन सौंपने से पहले ही रोक दिया। सुभासपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों और समस्याओं को प्रशासन के सामने रखना नागरिकों का अधिकार है। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करने और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की।

पार्टी की ओर से कहा गया कि संगठन आगे भी शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से जनहित के मुद्दों को उठाता रहेगा।

खेत में मिला महिला का शव, घसीटने के निशानों से हत्या की आशंका; जांच में जुटी पुलिस

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना वेव सिटी क्षेत्र के काजीपुरा स्थित एक खेत में अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। खेत में घसीटने के निशान और टूटी हुई फसल मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिलने पर थाना वेव सिटी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान खेत के बीचों-बीच एक महिला का शव बरामद हुआ।

शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने कई टीमें गठित की हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जबकि एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल मृतका की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है।

हर बूंद बने भविष्य की पूंजी, 'कैच द रेन' अभियान से जल संरक्षण का संदेश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा 'कैच द रेन - जहाँ गिरे, वहीं संचित करें' अभियान के अंतर्गत भूजल सप्ताह के अवसर पर जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के महत्व की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि वर्षा जल का संरक्षण भविष्य में जल संकट से बचने का प्रभावी उपाय है। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को अपने घरों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की कि वे प्रत्येक वर्षा की बूँद को संचित कर जल संरक्षण को जन-जन का संकल्प बनाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

स्क्रैप कराएं पुरानी गाड़ियां, नए वाहन पर 10 साल तक टैक्स राहत; कांवड़ यात्रा में नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्ती

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुराने वाहनों को हटाकर सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए परिवहन विभाग ने नया सफर योजना को लेकर कवायद तेज कर दी है।

गुरुवार को संभागीय परिवहन कार्यालय गाजियाबाद में उप परिवहन आयुक्त मेरठ परिक्षेत्र की अध्यक्षता में योजना और आगामी कांवड़ यात्रा एवं श्रावण मेला-2026 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वाहन स्वामियों और यूनियन पदाधिकारियों को बताया गया कि अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग सेंटर (आरवीएसएफ) पर पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने के बाद यूरो-6 मानक के नए वाहन खरीदने पर 10 वर्ष तक कर में छूट का लाभ मिल सकेगा। अधिकारियों ने आरवीएसएफ संचालकों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए बस एवं ट्रक संचालकों को यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने कहा कि चालक नशे की हालत में वाहन न चलाएं, प्रतिबंधित मार्गों पर वाहन संचालन से बचें और प्रशासन द्वारा जारी सभी निदेशों का पालन सुनिश्चित करें।

बैठक में संभागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद प्रमोद कुमार सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. सियाराम वर्मा, एआरटीओ प्रशासन अशोक कुमार श्रीवास्तव सहित बस-ट्रक यूनियन के पदाधिकारी और स्क्रैपिंग सेंटर संचालक मौजूद रहे।

कनावनी में डंपिंग ग्राउंड का विरोध तेज, पंचायत में हुंकार- 'आबादी के बीच कूड़े का पहाड़ नहीं बनने देंगे'

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित ग्राम कनावनी में प्रस्तावित डंपिंग ग्राउंड को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार तेज हो रहा है। गांव में आयोजित पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि घनी आबादी के बीच डंपिंग ग्राउंड का निर्माण किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। पंचायत में यह भी तय किया गया कि जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित योजना को तत्काल निरस्त करने और डंपिंग ग्राउंड के लिए आबादी से दूर वैकल्पिक स्थान चिन्हित करने की मांग की जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि रिहायशी क्षेत्र में डंपिंग ग्राउंड बनाया गया तो दुर्गंध, वायु प्रदूषण और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे हजारों लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। पंचायत में लोगों ने प्रशासन से जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस योजना पर पुनर्विचार करने की अपील की।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो वे लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन शुरू करेंगे। पंचायत में मौजूद लोगों ने स्पष्ट किया कि गांव के पर्यावरण और आमजन के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रोजगार मेले में युवाओं को मिली नई उड़ान, 106 अभ्यर्थी चयनित व शॉर्टलिस्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिला सेवायोजन कार्यालय और एच.एल.एम. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिले। मेले में कुल 453 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 106 अभ्यर्थियों का विभिन्न निजी कंपनियों में चयन एवं शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एच.एल.एम. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉ. अनुज अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिला सेवायोजन अधिकारी श्रीमती दिव्या त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत युवाओं को देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे रोजगार मेलों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। मेले में बजाज लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड, जी.एम.पी. टेक्निकल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, हिंदूजा हाउसिंग फाइनेंस, एस.के.एम. प्लेसमेंट एंड मैनेजमेंट समेत पांच प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों ने मानव संसाधन कार्यकारी, फील्ड अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्स मैनेजर, उत्पादन सहायक, तकनीशियन और जूनियर इंजीनियर सहित विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार लिए।

चयन प्रक्रिया के बाद 106 अभ्यर्थियों को 16 हजार से 30 हजार रुपये प्रतिमाह वेतनमान पर चयनित एवं शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला सेवायोजन विभाग तथा एच.एल.एम. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध कॉलोनियों पर जीडीए की बड़ी कार्रवाई, मुरादनगर में बुलडोजर ने ध्वस्त की 8500 वर्गमीटर की प्लॉटिंग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान को तेज करते हुए मुरादनगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने बिना स्वीकृत मानचित्र के विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। जीडीए की टीम ने ग्राम जलालपुर, रघुनाथपुर पाइपलाइन रोड पर करीब 5 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लॉटिंग और ग्राम नवीपुर बंबा वाली रोड पर करीब 8500 वर्गमीटर में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बनाई गई सड़कें, बाउंड्रीवॉल, साइट ऑफिस और अन्य निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया। जीडीए अधिकारियों के मुताबिक मौके पर कॉलोनाइजर द्वारा कोई स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया था। ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई जारी रही। जीडीए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की कार्यशैली ने बदली अधिकारी और जनता के बीच की दूरी

फरियाद लेकर आने वालों को मिलता है भरोसा, मदद और समाधान का रास्ता

- प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ मानवीय सरोकारों को भी दे रहे महत्व

मीनू बरकाती

पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने जनपद में प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने के साथ ही आम जनता के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके कार्य करने का तरीका और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समाधान कराने की पहल लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। आमतौर पर जिलाधिकारी का पद बेहद जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला माना जाता है, लेकिन ज्ञानेन्द्र सिंह जरूरतमंदों की सहायता के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी समय निकालते हैं।जनता के बीच उनकी कार्यशैली को लेकर यह धारणा बनी है कि कोई व्यक्ति अपनी समस्या लेकर उनके पास पहुंचता है तो उसकी बात को गंभीरता से सुना जाता है। अधिकारी होने के बावजूद आम लोगों से सहजता से मिलना और उनकी परेशानियों को समझना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। यही वजह है कि जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले लोग भी अपनी समस्याएं लेकर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं और उन्हें उम्मीद रहती है कि उनकी समस्या का उचित समाधान कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह के कार्यकाल में जनसुनवाई को प्रभावी बनाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके निस्तारण की स्थिति पर नजर रखने का प्रयास किया जाता है। इससे फरियादियों को अपनी समस्या के समाधान की उम्मीद बनी रहती है।

प्रशासनिक स्तर पर भी जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को आम जनता के प्रति संवेदनशील रहने और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए जाते हैं। गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनने की उनकी पहल को लोग सकारात्मक नजरिए से देखते हैं।जिले में विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं की निगरानी के साथ ही जिलाधिकारी का जोर इस बात पर भी रहता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को समझने के लिए स्थलीय निरीक्षण और अधिकारियों के माध्यम से फीडबैक लेने की व्यवस्था भी प्रशासनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा है। जनता के बीच उनकी छवि एक ऐसे अधिकारी के रूप में बन रही है, जो प्रशासनिक दायित्वों के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी महत्व देते हैं। लोगों का कहना है कि किसी भी अधिकारी की असली पहचान उसके पद से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और जनता के प्रति संवेदनशीलता से होती है। इसी कसौटी पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की कार्यशैली को लोग सराहनीय मान रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में भी जरूरतमंदों की समस्याओं के समाधान के लिए इसी तरह प्रभावी पहल जारी रहेगी।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन का मेगा प्लान तैयार, डीएम ने शिविर संचालकों से सीधा संवाद कर जानी समस्याएं

श्रद्धालुओं की सुरक्षा होगी सर्वोच्च प्राथमिकता, 24 घंटे कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में कांवड़ शिविर संचालकों, धार्मिक संगठनों और विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पहली बार कांवड़ शिविर संचालकों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद किया गया। संचालकों ने अपनी समस्याएं और सुझाव प्रशासन के सामने रखे, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि कांवड़ यात्रा जनपद का बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। प्रशासन की प्राथमिकता हर श्रद्धालु की सुरक्षा, सुगम यात्रा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

78.5 किमी कांवड़ मार्गों पर रहेगी पैनी नजर

प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के लिए प्रमुख और सहायक मार्गों पर विशेष इंतजाम किए हैं। मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग, वॉच टावर, पुलिस चेक पोस्ट और क्विक रिस्पांस टीम तैनात की जाएगी। मुरादनगर गंगनहर (छोटा हरिद्वार) सहित प्रमुख स्नान स्थलों पर सुरक्षा के लिए रस्सियां, जाल, बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करीब 250 अस्पतालों को अलर्ट रखा गया है।

25 जुलाई से शिविर अनुमति के लिए सिंगल विंडो सुविधा

कांवड़ शिविर लगाने की अनुमति प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 25 से 30 जुलाई तक पुलिस लाइन में एकल खिड़की व्यवस्था शुरू की जाएगी। प्रशासन ने कांवड़ मार्गों पर 6,970 स्ट्रीट लाइटें लगाने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में 40 जनरेटर बैकअप रखने की तैयारी की है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित पुलिस, नगर निगम, जीडीए, स्वास्थ्य, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एचआरआईटी यूनिवर्सिटी पहुंचे सांसद तेजस्वी सूर्या

गाजियाबाद। दुहाई स्थित एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कर्नाटक से सांसद तेजस्वी सूर्या ने युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश का युवा राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में व्यापक और स्थायी सुधार चाहता है। उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रमों को लेकर युवाओं की चिंता स्वाभाविक है, लेकिन उनके मुद्दों को राजनीतिक दिशा देने का प्रयास नहीं होना चाहिए। मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी सूर्या ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा प्रदर्शन अब धीरे-धीरे राजनीतिक स्वरूप लेता दिखाई दे रहा है। उनका कहना था कि छात्रों के वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाकर आंदोलन को अलग दिशा देने की कोशिश की जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता जी स्व. श्री निर्मल सिंह का देहांत दिनांक 05/07/2019 को हो गया था, उनके बचत खाते 30700110010037 (जो कि यूको बैंक, इन्दरगढ़ी में है) मैं नामिनी हूं, जिसमें मेरा नाम रविन्द्र कुमार दर्ज है। जबकि मेरा नाम आधार कार्ड में रवि कुमार है। आपको सूचित करना चाहता हूं कि रवि कुमार और रविन्द्र कुमार दोनों मेरे ही नाम हैं।

रवि कुमार पुत्र स्व. श्री निर्मल
निवासी- ग्राम नायफल, पो. डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद।